राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी
जिला – मुंगेली (छ.ग.) 495115

वार्षिक पत्रिका

UDAAN

प्रथम संस्करण 2024-25

संरक्षक एवं प्राचार्य

प्रो. डॉ. एन. के. ध्रुवे

संपादक

श्री विवेक साहू

सह-संपादक

डॉ. एन. के. सलूजा

श्री महेंद्र कुमार पात्रे

डॉ. अर्चना भास्कर

सहयोगी

श्री एन. एस. परस्ते

डॉ. एस. के. जांगड़े

डॉ. एच. एस. राज

श्री पी. पी. लाठिया

श्री नितेश गढ़ेवाल

श्री देवेंद्र कुमार जायसवाल

श्रीमती हेमा आर. टंडन

समस्त कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं

विशेष सहयोग

डॉ. राधेश्याम साहू

श्रीमती निधि सिंह

श्री आर. के. श्रीवास्तव

आवरण एवं साज-सज्जा - श्री विवेक साहू

टायपिंग - श्री शिव कुमार यादव, श्री उमाशंकर राजपूत

हमर राजीव गाँधी महाविद्यालय परिवार लोरमी

अनुक्रम

क्रमांक	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ
1	संदेश		1–4
2	प्राचार्य की कलम से	डॉ. एन.के.ध्रुर्वे	5
3	संपादक की कलम से	श्री विवेक साहू	6
4	महाविद्यालय का कुल गीत	डॉ. नरेंद्र सलूजा	7
5	उच्च शिक्षा के माध्यम से छग में प्रतिभा और कौशल का विकास	डॉ. तपेश चन्द्र गुप्ता	8
6	हमारा व्यक्तिव ,हमारी पहचान	श्री विवेक साहू	9
7	वृक्षारोपण		10–11
8	छत्तीसगढ़ मईया	संतोष कुमार साहू	12
9	कुछ करना है तो चलो	हर्ष गुप्ता	12
10	स्वच्छ भारत अभियान		13
11	ईमानदारी	ममता चतूर्वेदी	14
12	संगठन में समन्वय का महत्व	प्रियंका साहू	14
13	रक्त दान शिविर		15–16
14	मनियारी की आत्मकथा	श्री एन.एस. परस्ते	17
15	समय का महत्व	नंद किशोर साहू	17
16	राष्ट्रीय सेवा योजना		18–21
17	बेटी	डॉ. एच.एस.राज	22
18	रावण जलाबो	श्री अमित राम	22
19	हमर छत्तीसगढ़ अइसन हो	संतोषी	23
20	मोर गॉव के नई हे चिन्हारी	श्री जितेंद्र दुबे	23
21	बचपन	ममता चतूर्वेदी	23
22	हम नारी शक्ति	श्री अमित राम	24
23	राज्य युवा महोत्सव		25
24	आगे बढ़े चल	पूर्णिमा जायसवाल	26
25	छ.ग. में नक्सलवाद	पुष्पराज श्रीवास	27
26	आजादी	श्री मनीष कश्यप	27
27	राष्ट्रीय युवा महोत्सव/जल जगार महोत्सव		28
28	स्त्री	आस्था परिहार	29
29	गुल की कलियॉ	डॉ. नरेंद्र सलूजा	29
30	पानी	श्री रविद्र श्रीवासतव	29
31	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस		30
32	हमर राजीव गांधी कॉलेज	प्रियंका सेन	31
33	लक्ष्य	चंद्रेश कुमार	31
34	खेल आयोजन एवं उपलब्धि		32
35	कलाकार के जिनगी	नागेश्वर मरकाम	33
36	हे भारत माँ	श्रीमती सुष्मा उपाघ्याय	33
37	योगदान		34
38	नारी शिक्षा के जनक : सावित्री बाई फूले	श्री पी.पी. लाठिया	35

39	मैं छत्तीसगढ़ के लइका	डॉ. अर्चना भास्कर	35
40	वृद्धाश्रम	श्री शिव यादव	36
41	संस्था में प्रबंधकीय कौशल	डॉ. राधेश्याम साहू	37
42	व्यक्ति को सफल क्या बनाता है?	श्री गुरुदेव निषाद	37
43	पोषक शाला अभियान		38
44	स्टार्टअप इंड़िया	श्री महेन्द्र कुमार पात्रे	39
45	विज्ञान का संतूलन जूलॉजी	प्रिसि केशरवानी	39
46	दिक्षांत समारोह में सम्मानित हुई छात्राएँ		40
47	जीवन का संदेश	उदित नारायण चतुर्वेदी	40
48	Science Rule the World	डॉ. अर्चना भास्कर	41
49	दोस्ती	नरेंद्र एवं सुब्बू	41
50	दैनिक भास्कर प्रतियोगिता परीक्षा		42
51	राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर		42
52	आज की नारी	डॉ. अर्चना भास्कर	43
53	क्यो किस्मत को दोष देते हो	अवधेश जायसवाल	43
54	Digital Education	राजकुमार भास्कर	44
55	सामुदायिक भागीदारी से जल संरक्षण	श्री पूर्णेश कुमार जायसवाल	45
56	पुरुष-नि:स्वार्थ छाया	दिलीप कुमार साहू	45
57	बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर	मनीषा चतुर्वेदी	46
58	जीवन जीना एक कला है	मंजुश्री गौतम	46
59	हिन्दी दिवस		47
60	अंतर्मन	डॉ. नरेंद्र सलूजा	47
61	विज्ञान विभाग की कलाकारी		48–49
62	महाविद्यालय से चयनित छात्र–छात्राएँ		49
63	तुम ईश्वर की संतान हो	अवधेश जायसवाल	50
64	प्यारी मैम / प्रकृति माँ	संतोषी / पूजा राजपूत	50
65	भारतीय सेना	नंदिनी,धनेश्वरी,दामिनी	51
66	महाविद्यालय के प्राध्यापकों की उपलब्धि		52–53
67	भारतीय ज्ञान प्रणाली : आयुर्वेद और पारंपरिक भारतीय उद्यम	नागेश मिश्रा	54
68	नियोजन सफलता की कुंजी है	श्रीमती श्रेया श्रीवासतव	54
69	राष्ट्रीय युवा दिवस		55
70	शिक्षा ही जीवन का आधार है	रविप्रकाश टोंडे	56
71	प्रकृति का महत्व	सविता अग्रवाल	56
72	Never Give Up	श्री नितेश गढ़ेवाल	57
73	परीक्षा	ममता कश्यप	57
74	हमारे शिक्षक	गामिनी जायसवाल	57
75	तुम क्यूं नहीं आते	हरिता कश्यप	58
76	पौधों का महत्व	डॉ. गंगा गुप्ता	58
77	*Educational Tour*		59
78	गणित विभाग से चयनित छात्र–छात्राएँ		60
79	National Mathematics Day		61

अरूण साव
उप मुख्यमंत्री
ARUN SAO
Deputy Chief Minister

छत्तीसगढ़ शासन
लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी
विधि और विधायी कार्य, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग
Government of Chhattisgarh
Public Works Department, Public Health Engineering
Law & Legislative Affairs Department
Urban Administration & Development Department

क्रमांक 1703/उप मुख्यमंत्री/2025

रायपुर, दिनांक : 24/04/2025

—: शुभकामना संदेश :—

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि, राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के द्वारा विद्यार्थी वार्षिक पत्रिका ''उड़ान'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

निश्चित ही उक्त पत्रिका के माध्यम से महाविद्यालय परिवार को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफलता प्राप्त होगी।

मेरी ओर से महाविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आपका

(अरूण साव)

प्रति,

डा. एन. के. ध्रुवे
प्राचार्य,
राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
लोरमी, जिला—मुंगेली (छ.ग.)

कार्यालय : एम-4/9, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.) * निवास : डी/8, सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.)
Office : M-4/9, Mantralaya, Mahanadi Bhawan, Nava Raipur Atal Nagar (C.G.) * Niwas : D/8, Civil Line, Raiipur (C.G.)
Ph. (Mantralaya) / दुरभाष (मंत्रालय) : 0771-2510319, 2221318 * Ph. (Niwas) / दुरभाष (निवास) : 0771-4076096, 4009215

आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी
कुलपति

दूरभाष : (+91) 7752-296380
मोबाईल : (+91) 9816678999
ई-मेल : vc@bilaspuruniversity.ac.in, bajpaiadn9@gmail.com
वेबसाईट : bilaspuruniversity.ac.in, www.adnbajpai.org
अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

क्रमांक/437/नि.स./2025 बिलासपुर, दिनांक 14.05.2025

सन्देस

मोला ए जान के अब्बड़ खुसी होइस हे कि राजीव गांधी सासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, लोरमी, जिला– मुंगेली (छ.ग.) के साल भर के गतिविधि ह पत्रिका ''उड़ान'' के माध्यम से प्रकासित होवत हे।

महाविद्यालय द्वारा पत्रिका के प्रकासन करे से पढ़ईया लइका अउ जम्मो शिक्षक मन ला अपन लेख, विचार अउ अनुभव आदि ल प्रकासन करे बर सुघ्घर मौंका मिलथे।

विद्यार्थी जीवन म कुशलता, उत्साह, नवाचार, स्फूर्ती अऊ विचार के अभिव्यक्ति ह बहुत महत्वपूर्ण होथे। विद्यार्थी ल अपन लक्ष्य ल प्राप्त करे बर सदैव सजग एवं कर्मठ होना चाही। ए साल जम्मो विद्यार्थी मन अपन उद्देश्य ल प्राप्त करे म सफल होवय।

मै ह पत्रिका ''उड़ान'' के सम्पादक, लेखक मन के साथ म महाविद्यालय के परधान आचार्य ल अउ जम्मो गुरूजी मन ला अब्बड अकन बधई देवत हौं अऊ ऊंखर उज्जर भविस के कामना करत हौं।

(अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी)

(डॉ. प्रवीण कुमार पाण्डेय)
अपर संचालक

उच्च शिक्षा, क्षेत्रीय कार्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
ई–मेल : adhigheredu.bsp-cg@gov.in
अर्ध शास.पत्र क्र. 67 /असंबि/2025
दिनांक 01/05/25

–: शुभकामना संदेश :–

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, लोरमी, जिला–मुंगेली (छ.ग.) द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका **''उड़ान''** का प्रकाशन किया जा रहा है।

महाविद्यालय के विकास और प्रगतिशील दिशा–निर्धारण में महाविद्यालयीन पत्रिकाएँ मील का पत्थर साबित होती हैं। महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों के मौलिक व शोधपरक लेख, अनुभव, रचनात्मक अभिव्यक्ति (कविता/कहानी), उपलब्धियाँ व विभागीय प्रतिवेदन को मंच प्रदान करती है। निश्चय ही यह पत्रिका महाविद्यालय को संबल प्रदान करने वाली एवं विद्यार्थियों को रचनात्मक, सृजनात्मक बल प्रदान करने वाली होगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि ''उड़ान'' पत्रिका अपने अर्थ के अनुरूप आपके महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं की सांस्कृतिक, साहित्यिक रूचियों को अभिव्यक्त करने के लिये एक सशक्त माध्यम बनेगा तथा उनकी प्रच्छन्न प्रतिभा को एक नई उड़ान प्रदान करेगा।

वार्षिक पत्रिका ''उड़ान'' के प्रकाशन मंडल एवं संपूर्ण महाविद्यालय परिवार को मेरी अनंत हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई।

(डॉ. प्रवीण कुमार पाण्डेय)

प्राचार्य,
राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, लोरमी,
जिला–मुंगेली (छ.ग.)

डॉ. एन.के.ध्रुर्वे
प्राचार्य
राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य
महाविद्यालय लोरमी जिला – मुंगेली (छ.ग.)

शुभकामना–संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है की हमारे महाविद्यालय के सहायक प्राध्यपक श्री विवेक साहू एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं विद्यार्थियों के योगदान से विद्यार्थी वार्षिक पत्रिका "**उड़ान**" का प्रथम संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है, महाविद्यालय के लिए यह एक नवपहल है। यह पत्रिका विद्यार्थियों को बौद्धिक एवं सामाजिक रुप से सुदृंढ बनाने में अहम् भूमिका निभायेगी।पत्रिका के माध्यम से छात्र-छात्राएं रचनात्मक कार्य के लिए प्रेरित होंगे एवं समाज के अन्य लोगों को प्रेरित करेंगे। महाविद्यालय पत्रिका छात्र-छात्राओं को मानसिक एवं सामाजिक रूप से सुदृंढ बनाने में अहम भूमिका निभाती है मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका महाविद्यालय के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए मार्गदर्शिका का कार्य करेगी।

"**उड़ान**" पत्रिका के प्रथम संस्करण के सफल एवं सार्थक प्रकाशन के प्रयास के लिए महाविद्यालय परिवार को अनंत शुभकामनाएं।

(डॉ.एन.के.ध्रुर्वे)

विवेक साहू
सहायक प्राध्यापक गणित
संपादक
राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य
महाविद्यालय लोरमी जिला – मुंगेली (छ.ग.)

UDAAN
Since 2015

संपादक की कलम से....

यह पत्रिका पूर्ण रुप से महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं लोरमी की जनता को समर्पित है। इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए मैं अपने गुरु **श्री यादवेन्द्र कचेर** को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे पत्रिका के प्रकाशन हेतु निरंतर प्रेरित किया एवं हर समय,परिस्थिति में मेरा मार्गदर्शन किया। पत्रिका का नाम **"उड़ान"** सर के द्वारा ही दिया गया है।

साथ ही मैं **डॉ. तपेश चंद्र गुप्ता** ,**अपर संचालक,**उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर को धन्यवाद देना चाहता हूँ ,जिन्होंने अपना अमूल्य समय निकल कर पत्रिका के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में प्रतिभा और कौशल का विकास विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

महाविद्यालय द्वारा वर्ष **2017** में पत्रिका **"उद्गार"** का प्रकाशन **डॉ. एच. एस. राज** के नेतृत्व में किया जा चुका है, जिससे प्रेरणा लेते हुए **"उड़ान"** पत्रिका का प्रकाशन किया गया है। यह पत्रिका महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी ।पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थी महाविद्यालयीन गतिविधियों को जान सकेंगे, जिससे उनमें लेखन और पठन की क्षमता का विकास होगा। महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं एवं हमारे संरक्षक प्राचार्य महोदय और वे सभी लोगो जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए मुझे सहयोग प्रदान किया आभार व्यक्त करता हूं ।

धन्यवाद**!**

प्राचार्य की कलम से .....

वनांचल से घिर लोरमी नगर में सितम्बर 1984 से स्थापित राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इस अंचल का एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय है। छ.ग. ग्रामीण अंचल में स्थित इस महाविद्यालय में सुदूर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्र में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं महाविद्यालय अपने नैतिक आदर्शो और अनुशासन की परंपरा पर निरंतर गतिमान और इस क्षेत्र के विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा और सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय के पास 13.41 एकड़ भूमि है डॉ. वीरभगत चौधरी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य थे प्रारंभ में यह कला संकाय के अध्यापन की व्यवस्था थी वर्ष 1989 में वाणिज्य के कक्षा प्रारंभ करने की स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई सन् 2001–02 में जनभागीदारी मद से एम. ए. इतिहास की कक्षा प्रारंभ हुई छ.ग. शासन द्वारा वर्ष 2008 में इसे नियमित स्थापना में मान्यता प्रदान की गई सत्र 2010–11 में जनभागीदी मद से हिन्दी साहित्य एवं राजनीति विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर विषय प्रारंभ करने की अनुमति शासन से प्रदान की गई। शासन में फरवरी 2012 में एम.ए. हिन्दी के लिए नियमित स्थापना में पद को स्वीकृत कर मान्यता प्रदान की। इसी प्रकार सत्र 2016 में लम्बे अन्तराल के बाद महाविद्यालय में विज्ञान संकाय प्रदान करने की अनुमति शासन से प्रदान की गई और वर्ष 2022 में विज्ञान संकाय में नियमित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई।

महाविद्यालय में ग्रंथालय एवं वाचनालय की भी व्यवस्था में इस समय ग्रंथालय में कुल 38841 पुस्तकें उपलब्ध है तथा महाविद्यालय में क्रीड़ा अधिकारी का पद स्वीकृत है, किन्तु नियमित प्राध्यापक की नियुक्ति नहीं होने से श्री महेन्द्र कुमार पात्रे प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। जिनके प्रयासों से महाविद्यालय खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

महाविद्यालय में कुल 1146 नियमित विद्यार्थी अध्ययनरत है, जिसमें 410 छात्र एवं 736 छात्राएं है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की बालक ईकाइ डॉ. राधेश्याम साहू के नेतत्व में एवं बालिका ईकाइ श्रीमती निधी सिंह के नेतत्व में संचालित है जिसमें 100–100 छात्र–छात्राएं अपने सेवा दे रहे हैं। महाविद्यालय में 12 नियमित प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक एवं 6 कर्मचारी कार्यरत है।

महाविद्यालय पत्रिका "उड़ान" का यह प्रथम संकलन है जो विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का एक सम्मिलित प्रयास है आज देश का भविष्य युवकों के कंधों पर है अतः समाज व राष्ट्र निर्माण हेतु हमारे विद्यार्थी सक्षम हो सके ऐसा हमारा प्रयास है। पत्रिका के सफल प्रकाशन में सहयोग हेतु सभी के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

धन्यवाद।

महाविद्यालय का कुलगीत

मनियारी है स्वच्छ सलिला,
पुनीत गंगा सी धारा।
ऐसे मधुर मनोहर धरा पर,
अपना लोरमी नगर है प्यार ।।
नगर का यह आन बढ़ाता,
युवाओं के स्वप्न सजाता।
महाविद्यालय यह जन जन का,
आशाओं के दीप जलाता ।।

मनियारी है .....
विविध कला अर्थ शास्त्र का गायन,
गणित भौतिक और रसायन।
पढ़ते जो इन्हें नित रुचि से,
बनते है वो कर्तव्य परायण।।

महाविद्यालय की छट निराली,
फैली है मखमल से स्याही।
पुष्पों की सुवास नित फैली,
भ्रमर बने है इसके माली।।

मनियारी है.....
खगवृंग है गाते जिसकी,
गरिमा का नित गान।
सत्य,अहिंसा और धर्म का,
पग पग मिलता ज्ञान।।

मनियारी है.....
महिमा इसकी अनंत निराली,
जैसे हर पल हो यह दिवाली।
शिक्षा दीक्षा जो लेता यह पर,
वो इस जग का भाग्यशाली।।

मनियारी है.....
आत्मरक्षा की भी शिक्षा,
देते है गुरु जन।
स्वाभिमान का अलख जग,
हर्षा देते है तन मन।।

मनियारी है.....
ऐसे पुनीत धरा को नमन,
करते है हृदय से हम।
चाहे कुछ भी हो जाए,
गौरव न हो इसका कम।।
मनियारी है.....

मनियारी है.....
विद्या का मंदिर कहलाता,
ऐसा है यह धाम।
चारों ओर फैले हो जैसे,
इसके कण कण में बस राम।।

डॉ. एन.के.सलूजा
हिंदी विभाग

हमारा व्यवहार हमारी पहचान

निःसंदेह हमारा व्यवहार हमारी पहचान है, किन्तु कभी आपने सोचा है कि हमारा व्यवहार कैसे बनता है व्यवहार क्या है हम किसी से कैसे बात करते हैं कैसे प्रतिक्रिया करते हैं अपने मनोभावों को कैसे प्रकट करते हैं यही व्यवहार है। हँसना बोलना बात करना प्रतिक्रिया देना हाँ-ना सहायता करना, न करना प्रसन्नता, नाराज़गी ,सम्मान-अपमान सभी व्यवहार ही तो हैं। हर व्यक्ति का प्रयास रहता है कि वह सामने वाले से अच्छा व्यवहार करे कि उसकी छवि अच्छी बनी रहे, किन्तु क्या सदैव ऐसा हो पाता है? नहीं। कारण बहुत बार हमारा व्यवहार सामने वाले के व्यवहार की प्रतिच्छाया होता है इस कारण सामने वाले का व्यवहार हमारे व्यवहार को बदल सकता है।

जैसे मैं अपना ही उदाहरण देता हूँ, मैं नहीं कह सकता कि मेरा व्यवहार बहुत अच्छा है ये तो मुझे जानने वाले ही बता सकते हैं। किन्तु मेरे व्यवहार में तात्कालिक प्रतिक्रिया है मैं अपने साथ बात अथवा व्यवहार करने वाले के प्रति प्रतिक्रिया बहुत जल्दी देता हूँ। मैं अत्यधिक क्रोधित एवं आक्रामक हो जाता हूँ, मेरी सहनशक्ति मेरा साथ छोड़ देती है और मैं तत्काल प्रतिक्रिया करता हूँ। जो निश्चित रूप से क्रोध एवं प्रतिकार ही होती है। ऐसे समय में मेरा व्यवहार मेरा अपना नहीं होता , सामने वाले के व्यवहार की प्रतिच्छाया होता है। मेरा यह व्यवहार अथवा स्वभाव मेरा स्थायी व्यवहार नहीं है किन्तु मेरी पहचान अवश्य है कि मैं गलत का विरोध करने का साहस रखता हूँ।

अतः मेरी दृष्टि में हमारा व्यवहार परिस्थितियों, कार्य-क्षेत्र, हमारे आस-पास के वातावरण, लोगों पर बहुत निर्भर करता है और सम्भव है हमारा ऐसा व्यवहार स्थायी न हो और हमारी पहचान न हो। अतः किसी के व्यवहार और उस व्यवहार से उसकी पहचान मानने के लिए किसी भी व्यक्ति की कोई एक बात से उसे समझा और जाना नहीं जा सकता, एक जीवन जीना पड़ता है किसी के व्यवहार को समझने के लिए और पहचान बनाने के लिए।

विवेक साहू
गणित विभाग

मन के अच्छे विचार

मन के अच्छे विचार, जिन्हें सकारात्मक विचारों के रूप में भी जाना जाता है, मानव जीवन में अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। अच्छे विचार केवल हमारी मानसिकता को सशक्त नहीं करते, बल्कि वे हमें सकारात्मकता के मार्ग पर भी ले जाते हैं। जब हम अपने मन में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं, तो यह हमारी मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। **मन के अच्छे विचार** हमें न केवल सकारात्मक ऊर्जा देते हैं, बल्कि हमारे व्यवहार और व्यक्तित्व को भी निखारते हैं। अच्छे विचार मन को शांति देते हैं और जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

पूर्वी साहू
बी.एस.सी तृतीय वर्ष
ग्राम - पटैता

शिक्षा ही जीवन का आधार है

"शिक्षा ही जीवन का आधार है" यह वाक्यांश इस बात पर जोर देती है कि शिक्षा किसी व्यक्ति के जीवन के लिए कितनी महत्वपूर्ण है शिक्षक के बिना मनुष्य का जीवन दिशाहीन और अर्थ हीन है...शिक्षा का महत्व को समझने के लिए हम निम्न लिखित बिंदुओं पर विचार विमर्श कर सकते हैं

व्यक्तिगत विकास शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान कौशल और दृष्टिकोण प्रदान करती है जिससे जीवन में सफलता हासिल होती है शिक्षित गति को आत्मविश्वास भी देती है जो उसे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करती है।

सामाजिक विकास शिक्षा समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है शिक्षितलोग समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होते हैं शिक्षा समाज में न्याय समानता और विश्वसमत को बढ़ावा देती है।

आर्थिक विकास शिक्षा आर्थिक विकास के लिए भी आवश्यक है शिक्षित लोग अधिक कुशल होते हैं और रोजगार के अवसर के लिए अधिक पात्र होते हैं शिक्षा से लोगों को बेहतर जीवन जीने में मदद मिलती है।

व्यक्तिगत जीवन शिक्षा व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उनसे निपटने में मदद करती है शिक्षा व्यक्ति को धैर्यवान लचीलापन और आत्मविश्वास प्रधान करती है। इसलिए "शिक्षा ही जीवन का आधार" है वाक्यांश सही है शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा और अर्थहीन है।

रविप्रकाश टोंडे (बीएससी प्रथम वर्ष)
ग्राम-मोहतरा तेली

NATURE

प्रकृति का महत्व

प्रकृति हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती है प्रकृति के बिना हमारा जीवन अधूरा है प्रकृति के कारण पेड़ पौधे हैं पेड़ पौधों के कारण पानी है और पानी के कारण हम हैं इसका मतलब यही है की प्रकृति हमारे लिए बहुत ही आवश्यक है अगर प्रकृति नहीं रहेगी तो हम सभी पशु पक्षी जीव जंतु भी नहीं होंगे, प्रकृति से ही हमारा जीवन आरंभ होता है और प्रकृति पर ही खत्म होता है, प्रकृति ईश्वर का दिया हुआ उपहार है प्रकृति के कारण ही हमें हवा पानी खाद्य पदार्थ सब कुछ प्राप्त हुआ है प्रकृति के कारण हमरे पर्यावरण का संतुलन बना रहता है प्रकृति की वजह से किसानों के पास खेती करने के लिए जमीन है, प्रकृति हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है इसे हमें इसका ध्यान रखना चाहिए|

हरी घास पर ओस की बूंदें,
सूरज की पहली किरणों से धुले,
पत्तों पर फिसलती नन्हीं सी मुस्कान,
जैसे हो प्रकृति की नई पहचान।

सविता अग्रवाल
बीएससी प्रथम वर्ष
ग्राम भीमपुरी

उच्च शिक्षा के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में प्रतिभा और कौशल का विकास

छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विविधता और जनजातीय विरासत से समृद्ध होने के साथ- साथ वर्तमान में शैक्षिक और आर्थिक प्रगति की दिशा में अग्रसर हो रहा है। इस विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि यह समग्र विकास का पथ है। छत्तीसगढ़ में विश्वविद्यालयों,तकनीकी,चिकित्सा और कृषि महाविद्यालयों की स्थापना ने छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन करने का अवसर प्रदान किया है जिससे अनुसंधान एवं नवाचार के कारण वैज्ञानिक प्रतिभाओं को राज्य में ही अवसर मिल रहे हैं। 2025-26 के बजट में नवा रायपुर में एक "एजुकेशन सिटी" स्थापित करने की योजना है, जो राज्य में शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बनेगी।

वर्तमान में राज्य में वर्तमान में 9 शासकीय विश्वविद्यालय, 15 निजी विश्वविद्यालय, 335 शासकीय महाविद्यालय, 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय और 256 अनुदान अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालय संचालित हो रहे हैं जिसमे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया गया है, जिससे बहु-विषयक शिक्षा, लचीले पाठ्यक्रम और कौशल विकास को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य सरकार ने 17 नए "नालंदा परिसर" स्थापित करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य युवाओं को बेहतर उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना और शैक्षणिक अधोसंरचना को सुदृढ़ करना है। उद्योग विशेषज्ञों को शिक्षण में शामिल करने के लिए "प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस" योजना शुरू की गई है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्राप्त होगी। उच्च शिक्षा के साथ- साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु "कौशल उन्नयन योजना", "लाइवलीहुड कॉलेज", और "सीएम स्किल मिशन" जैसे कार्यक्रमों से युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे स्वरोजगार या निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए तैयार हो रहे हैं। उच्च शिक्षा ने छत्तीसगढ़ की महिलाओं को भी सशक्त बनाने हेतु विशेष कौशल प्रशिक्षण जैसे सिलाई, कंप्यूटर शिक्षा, स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण इत्यादि ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है।

कोविड-19 के बाद से छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल कौशल प्रशिक्षण को भी बढ़ावा मिला है। ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म, वर्चुअल क्लासरूम और MOOC पाठ्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्टार्टअप और इनोवेशन लैब्स राज्य में नवाचार की भावना को बढ़ा रही हैं। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्ता उन्नयन के लिए "उच्च शिक्षा मिशन" की शुरुआत की है, जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है। छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य है कि राज्य को "राष्ट्रीय शिक्षा केंद्र" (National Hub of Education) के रूप में स्थापित किया जाए। डिजिटल शिक्षा, स्टार्टअप इनक्यूबेशन, और ग्रामीण क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा की पहुँच को बढ़ाने के लिए योजनाएँ तैयार की जा रही हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों और निजी भागीदारों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्ता सुधार के लिए एक नया "हायर एजुकेशन मिशन" शुरू किया है। इस मिशन का उद्देश्य NEP 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा संस्थानों को सशक्त बनाना है ।छत्तीसगढ़ में यदि उच्च शिक्षा को स्थानीय आवश्यकताओं, नई तकनीकों, और वैश्विक मानकों के साथ जोड़ा जाए तो यह राज्य “शिक्षित, कुशल और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़” की दिशा में तेज़ी से अग्रसर हो सकता है।

डॉ. तपेश चन्द्र गुप्ता
अपर संचालक उच्च शिक्षा
क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर छत्तीसगढ

भारतीय ज्ञान प्रणाली : आयुर्वेद और पारंपरिक भारतीय उद्यम

भारतीय ज्ञान प्रणाली में आयुर्वेद और भारतीय पारंपरिक उद्यमों का आपस में घनिष्ठ संबंध है, क्योंकि आयुर्वेद न केवल स्वास्थ्य के संदर्भ में ज्ञान का संचय करता है, अपितु यह भारतीय उद्यमिता और व्यापारिक परंपराओं के लिए भी एक आधार प्रदान करता है। भारतीय संस्कृति में व्यापार को एक सेवा माना गया है, विशेषकर जब वह आयुर्वेद जैसे जीवनोपयोगी विज्ञान से जुड़ा हो। आयुर्वेद उद्यम न केवल स्वास्थ्य प्रदान करता है, बल्कि धर्म, नैतिकता और समाज के कल्याण की नींव पर अडिग है। आयुर्वेद, प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति, सिर्फ़ एक उपचार पद्धति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योकि यह जीवन और स्वास्थ्य के समग्र दर्शन का प्रतिनिधित्व करती है । वेदों तथा पुराणों में निहित, आयुर्वेद शरीर, मन और आत्मा के मध्य संतुलन पर बल प्रदान करता है। डाबर, हिमालया और पतंजलि जैसी भारतीय कंपनियों ने पारंपरिक आयुर्वेदिक सिद्धांतों को आधुनिक व्यावसायिक प्रथाओं के साथ मिलाकर वैश्विक स्तर पर विस्तार किया है।आयुर्वेद और पारंपरिक भारतीय उद्यम विरासत और उद्यमिता के बीच एक अद्वितीय तालमेल का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे प्राचीन ज्ञान को एक स्थायी आर्थिक प्रतिमान में परिवर्तन करने हेतु भारत की क्षमता को वैश्विक स्तर में प्रदर्शित करते हैं जो प्रकृति के सम्मान,तथा सामुदायिक आजीविका का समर्थन करता है और दुनिया को समग्र कल्याण प्रदान करता है। विज्ञान, अध्यात्म और वाणिज्य का यह मिश्रण आयुर्वेद को न केवल एक परंपरा बनाता है, बल्कि एक संपन्न आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति भी बनाता है।

एक प्रमुख संस्कृत श्लोक ,जो **आयुर्वेद** और **पारंपरिक भारतीय उद्यम (व्यवसाय)** के मध्य अंतर्संबंध की व्याख्या करता है:

सर्वे सन्तु निरामयाः, सुखिनः स्युः प्रयत्नतः।
औषधैः कृतनैपुण्यं, व्यापारोऽस्तु हिताय च॥

भावार्थ - आयुर्वेदिक ज्ञान से किया गया व्यापार समाज के स्वास्थ्य और कल्याण की सेवा करता है। अर्थात यह श्लोक आयुर्वेदिक औषधियों से जुड़े व्यवसाय की प्रशंसा करता है, जिसमें उद्देश्य केवल लाभ नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और कल्याण की सेवा भी होता है। यह पारंपरिक भारतीय व्यापार की नैतिक भावना को दर्शाता है—"लाभ के साथ लोकसेवा"।

नागेश मिश्रा ,शोधार्थी
पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर

नियोजन सफलता की कुंजी है

नियोजन – किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी पूरी रूपरेखा तैयार करना। इससे कार्य सुचारु रूप से, समय पर और कम संसाधनों में पूरा किया जा सकता है। एक अच्छा नियोजन न केवल समय और ऊर्जा की बचत करता है, बल्कि असफलता की संभावना को भी कम कर देता है।जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल मेहनत करना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि सही दिशा में और सही तरीके से मेहनत करना आवश्यक होता है। इस दिशा को तय करने का कार्य नियोजन करता है। इसीलिए कहा गया है – "नियोजन सफलता की कुंजी है।"

विभिन्न क्षेत्रों में नियोजन का महत्व देखा जा सकता है – शिक्षा, कृषि, व्यापार, विज्ञान, स्वास्थ्य आदि।जैसे- एक छात्र अगर पढ़ाई की योजना बनाकर पढ़ता है, तो परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सकता है। इस प्रकार यदि हम चाहते हैं कि हमारे प्रयास सफल हों, तो हमें हर कार्य से पहले उसकी सही योजना बनानी चाहिए।

श्रीमती श्रेय श्रीवास्तव
वाणिज्य विभाग

स्टार्टअप इंडिया

STARTUP

भारत की जनसंख्या बढ़ती उम्र वाले विश्व में सबसे युवा लोगों में से है। युवाओं के एक बड़े वर्ग की विविध आकांक्षाओं को देखते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और भविष्य के अवसरों के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। युवाओं के लिए उद्यमी बनने का सपना सार्वभौमिक उत्कृष्टता के बराबर गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रम करने की आकांक्षाओं के साथ आता है। भारत सरकार बिल्कुल यही प्रदान करती है, क्योंकि **स्टार्टअप इंडिया प्लेटफॉर्म** वित्तीय विश्लेषक, डिजिटल परिवर्तन, डेटा विश्लेषक, अंडरस्टैंडिंग डिजाइन थिंकिंग आदि से लेकर उनहत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम लाखों महत्वाकांक्षी युवाओं को उनकी सोच के प्रतिमान को बढ़ाने के लिए गुणवत्ता वाले संसाधनों तक मुफ्त सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करते हैं। यह शिक्षा प्रदान करने और भविष्य के उद्यमियों को आकार देने का एक उत्कृष्ट और अनुकरणीय वैश्विक मॉडल है।

इसके अलावा 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों से युवाओं में उद्यमिता के अपने सपने को पूरा करने के लिए आत्मविश्वास की नई भावना पैदा होती है। स्टार्टअप इंडिया वित्तीय, आयकर ,पंजीकरण, निविदा और नेटवर्किंग सहायता से लेकर विविध सहायता प्रदान करता है। ये लाभ स्टार्टअप के सबसे महत्वपूर्ण चरण में मदद करते हैं जो किसी विचार को क्रियान्वित करने और उसे बाजार में बेचने योग्य बनाने से संबंधित है।

आज मौजूदा सरकार की पहल और मज़बूती की वजह से भारत में अब तक कुल 81 यूनिकॉर्न हैं, जिनका कुल मूल्यांकन 274 बिलियन डॉलर है। इसके अलावा 500 अमेरिकी यूनिकॉर्न में से 90 संस्थापक भारतीय मूल के थे। उद्यमिता के विचारों और नवाचारों के साथ दुनिया बदल रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय स्टार्टअप के वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और निभाएंगे।

महेंद्र कुमार पात्रे
सहा प्राध्याप भौतिक शास्त्र

Zoology (विज्ञान का संतुलन)

जूलॉजी जीव विज्ञान की एक महत्वपूर्ण शाखा है जो जन्तुओ के साम्राज्य के सभी पहलुओं का अध्ययन कराती है इनमें इसकी संरचना कार्य वर्गीकरण विकास व्यवहार पारिस्थितिकी और विलुप्त प्रजातियां सहित जीवन के हर स्तर पर जीवों की विविधता और जटिलता की पड़ताल शामिल है जूलॉजी न केवल हमें पृथ्वी पर जीवन के हर अविश्वसनीय समृद्धि को समझने में मदद करती है बल्कि यह चिकित्सा कृषि पर्यावरण संरक्षण जैसे जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करती है मुझे अपने कॉलेज की जूलॉजी सब्जेक्ट से अत्यंत लगाव है और मैं आगे भी इसी सब्जेक्ट को लेकर बढ़ाना पसंद करूंगी क्योंकि

"हर प्राणी अनमोल है प्राणी विज्ञान इसका मोल है"

Zoology
DEPARTMENT

प्रिंसी केशरवानी
बी.एस.सी प्रथम वर्ष
ग्राम - अखरार

खेल आयोजन एवं उपलब्धि

महाविद्यालय द्वारा सेक्टर सस्तरीय खो - खो महिला वर्ग का आयोजन दिनांक **6.11.2024** को महाविद्यालय खेल प्रांगण में किया गया, जिसे सफल बनाने के लिए खेल प्रभारी श्री महेंद्र कुमार पात्रा एवं क्रीड़ा अधिकारी श्री अविनाश निर्मलकर का विशेष योगदान रहा ।इस आयोजन में महाविद्यालय की टीम सेमीफाइनलिस्ट रही।

NET/SET Classes By Dept. of Mathematics

महाविद्यालय के गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक विवेक साहू के द्वारा प्रतिवर्ष NET, SET, IIT JAM, CUET प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु महाविद्यालय में विशेष कोचिंग प्रदान किया जाता है। साथ ही अपने यूट्यूब चैनल "**Vivek sahu Maths classes**" में उनके द्वारा B.Sc. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के Video Lecturer's उपलब्ध जाता है,जो हमारे महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ - साथ अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भी लाभदायक है |

YouTube Channel QR Code

RGGC Mathematics Group

गणित विभाग से चयनित छात्र-छात्राएं

Khushbu Rajput
CUET-GGU 2022

Neelam Sahu
CUET-GGU 2023

Manisha Sahu
CUET-GGU 2023

Shubham Jaishwal
CUET-GGU 2023

Devendra sahu
Pt.RSU 2023

Chandresh Kashyap
GATE 2023

Nakul Kashyap
CUET-GGU 2024

Poorvi Sahu
IIT-JAM 2025

संगठन में समन्वय का महत्व

समन्वय – संगठन के सभी विभागों, कर्मचारियों और प्रक्रियाओं के बीच तालमेल स्थापित करना ताकि सभी निर्धारित लक्ष्य की दिशा में एकजुट होकर कार्य करें।

किसी भी संगठन की सफलता केवल संसाधनों या योजनाओं पर नहीं, बल्कि उसके भीतर कार्यरत लोगों और विभागों के बीच समन्वय पर निर्भर करती है। समन्वय वह प्रक्रिया है जो विभिन्न इकाइयों को एक दिशा में संगठित रूप से कार्य करने में सहायक बनाती है।

संगठन में समन्वय का महत्व :-

1. **लक्ष्य प्राप्ति में सहायता** - सभी विभाग एक लक्ष्य के प्रति मिलकर कार्य करें, इसके लिए समन्वय आवश्यक है।
2. **संसाधनों का प्रभावी उपयोग** - समन्वय से समय, धन और मानव संसाधनों का सही उपयोग संभव होता है।
3. **विवादों और भ्रम की कमी** - विभागों के बीच संचार और समझ के कारण मतभेद व दोहराव से बचा जा सकता है।
4. **निर्णय लेने में आसानी** - जब सभी इकाइयाँ समन्वित हों, तो निर्णय लेना और लागू करना आसान होता है।
5. **कर्मचारियों में टीम भावना** -समन्वय टीमवर्क को बढ़ावा देता है, जिससे कार्यक्षमता और संतोष दोनों में वृद्धि होती है।
6. **बदलते परिवेश में अनुकूलन** - बाहरी परिवर्तनों के अनुकूल ढंग से संगठन को ढालने में समन्वय महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस प्रकार, समन्वय संगठन की कार्य प्रणाली को सुचारु और प्रभावी बनाता है।
इसके बिना संगठन में असमंजस, समय की बर्बादी और विफलता संभव है।
अतः प्रत्येक संगठन को चाहिए कि वह अपने ढांचे में समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

प्रियंका साहू
बी.कॉम अंतिम वर्ष

ईमानदारी: एक नैतिक मूल्य

भारतीय संस्कृति के अनुसार, शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे बाल्यावस्था में उसके अभिभावकों ने 'ईमानदार' रहने की शिक्षा न दी हो। विद्यालय की वाद-विवाद प्रतियोगिता में **"ईमानदारी ही सर्वश्रेष्ठ नीति है"** जैसी उक्तियों को विषय के रूप में खूब प्रयोग किया जाता था। अंग्रेज़ी भाषा के महान लेखक विलियम शेक्सपियर ने कहा है कि **"कोई भी प्रसिद्धि ईमानदारी जितनी समृद्ध नहीं होती"**। शेक्सपियर की ये पंक्तियाँ भले ही व्यावहारिक जगत के लिये निरर्थक और अव्यवहारिक दिखाई दें, परंतु इनकी प्रासंगिकता अभी भी भौतिक समृद्धि और विकास की दौड़ में अपना अस्तित्व बनाए हुए है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम ईमानदारी के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कर यह जानने का प्रयास करें कि बचपन में सिखाए जाने वाले मूल्य किस प्रकार वर्तमान में उपयोगी हो सकते हैं।ईमानदारी एक नैतिक अवधारणा है। सामान्यतः इसका तात्पर्य सत्य से होता है, किंतु विस्तृत रूप में ईमानदारी मन, वचन तथा कर्म से प्रेम, अहिंसा, अखंडता, विश्वास जैसे गुणों के पालन पर बल देती है। यह व्यक्ति को विश्वासपात्र तथा निष्पक्ष बनाती है।

ईमानदारी एक महंगा शौख है जो हर किसी के बस की बात नहीं

ममता चतुर्वेदी
बी.एस.सी द्वितीय वर्ष
ग्राम - डुमरहा

राष्ट्रीय युवा दिवस - स्वामी विवेकानंद जयंती

महाविद्यालय में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर युवा दिवस मनाया गया इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया संगोष्ठी का थीम था

"भारत निर्माण में युवाओं का योगदान"

एक युवा संन्यासी जिसने सोच बदल दी दुनिया की,
निर्धन शोषित पीड़ित के प्रति जिसके मन में करुणा थी ,
वह नरेंद्र से बना विवेकानंद तब इस जग ने उसको जाना ,
उनकी प्रतिभा उनकी मेघा का सबने लोहा माना।

मुकेश यादव

स्वच्छ भारत अभियान

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को महाविद्यालय प्रांगण, प्रायोगिक कक्ष एवं बरामदा की साफ–सफाई का कार्य किया जाता है।

महाविद्यालय के प्राध्यापकों की उपलब्धि

श्री विवेक साहू

एक्सीलेंस टीचर अवार्ड 2024

डॉ. अर्चना भास्कर

एक्सीलेंस टीचर अवार्ड 2024

नवभारत Bilaspur City - 15 Sep 2024 - 15nya5
epaper.navabharat.news

नवभारत मीडिया पार्टनर व प्रीमियर आधार आईएएस द्वारा महाविद्यालय के प्राध्यापकों का सम्मान

गुरुओं को एक्सीलेंस अवार्ड सराहनीय प्रयास

ॐ गुरवे नमः एक्सीलेंस अवार्ड 2024 सम्मान समारोह

नवभारत रिपोर्टर। बिलासपुर।

प्रीमियर आधार आईएएस ऐकेडमी एवं मीडिया पार्टनर नवभारत द्वारा शनिवार को शिफ्रा स्थित होटल सिटी में ॐ गुरवे नमः एक्सीलेंस अवार्ड 2024 सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवार्ड कार्यक्रम में बिलासपुर सहित संभागभर के महाविद्यालयों के प्राध्यापक, प्राचार्य एवं संस्था प्रमुखों को हिन्दी दिवस पर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस समारोह में शहर व संभाग भर से 175 कॉलेजों के प्राध्यापक, एचओडी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शिक्षकों का विधायक धरमलाल कौशिक व अमर अग्रवाल ने किया सम्मान।

जिनके माध्यम से हम यहां तक पहुंचे उन गुरुओं को प्रणाम: धरम

[illegible]

शिक्षकों का सम्मान नवभारत की देन : सुरेंद्र

[illegible]

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हमारा छत्तीसगढ़ प्रगति कर रहा: अमर

[illegible]

डॉ. एन.के. सलूजा

पीएचडी अवार्ड (हिन्दी विषय)

डॉ. एच.एस.राज

पीएचडी अवार्ड (हिन्दी विषय)

डॉ. एस.के. जांगडे
पीएचडी अवार्ड (इतिहास विषय)

श्री अविनाश निर्मलकर
Award for Appreciation

श्रीमती निधी सिंह

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुंगेली द्वारा आयोजित 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य हेतु श्रीमति निधि सिंह को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला–मुंगेली (छत्तीसगढ़)
"14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस"
प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी निधी सिंह
पदनाम .... कार्यालय ....
विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01.01.2024/मतदाता जागरूकता/प्रशिक्षण/उत्कृष्ट कार्य हेतु जिला-मुंगेली छ.ग. को 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।

डॉ. राधेश्याम साहू

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुंगेली द्वारा आयोजित 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य हेतु डॉ. राधेश्याम साहू को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया साथ ही "उत्कृष्ट मास्टर ट्रेनर" के रूप में कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

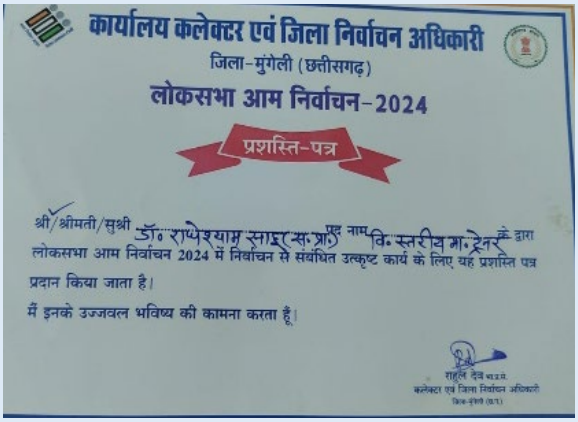

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला–मुंगेली (छत्तीसगढ़)
लोकसभा आम निर्वाचन–2024
प्रशस्ति-पत्र

श्री/श्रीमती/सुश्री डॉ॰ राधेश्याम साहू पद नाम .... के द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में निर्वाचन से संबंधित उत्कृष्ट कार्य के लिए यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।
मैं इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

राहुल देव भा.प्र.से.
कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला–मुंगेली (छत्तीसगढ़)
"14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस"
प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी डॉ॰ राधेश्याम साहू
पदनाम .... कार्यालय ....
विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01.01.2024/मतदाता जागरूकता/प्रशिक्षण/उत्कृष्ट कार्य हेतु जिला-मुंगेली छ.ग. को 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।

एवं जिला निर्वाचन अधिकारी

National Service Scheme

राजीव गांधी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई का 07 दिवसीय शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राधेश्याम साहू के कुशल नेतृत्व में 07 से 13 दिसम्बर 2024 तक मोहतरा तेली के शासकीय माध्यमिक शाला में सम्पन्न हुआ इस दौरान बालकों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्राम वासियों को सामाजिक कुरितियों की जानकारी दी गई साथ ही स्वयं सेवकों के द्वारा शाला में फ्लोर निर्माण, रंग रोगन नाली निर्माण कार्य में श्रम दान किया गया। साथ ही गांव के तालाब में स्वच्छता अभियान के तहत सफाई की गई।

नवभारत छत्तीसगढ़ • ओडिशा Bilaspur City - 16 Dec 2024 - 16nya4
epaper.navabharat.news

रासेयो वालंटियर्स समाज को आगे बढ़ाने में निभा रहे सक्रिय भूमिका

राजीव गांधी कॉलेज का ग्राम मोहतरा तेली में आयोजित एनएसएस शिविर का हुआ समापन

नवभारत रिपोर्टर । लोरमी ।

राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम मोहतरा तेली में मेरा युवा भारत के लिए युवा, एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा विषय पर आयोजित हुआ। शिविर का शुभारंभ सरपंच प्रफुल्ल गंधर्व के मुख्य आतिथ्य, डॉ. एन के ध्रुवें प्राचार्य के अध्यक्षता एवं जनकराम राजपूत प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक विद्यालय, अंगद गंधर्व प्रधानपाठक प्राथमिक विद्यालय, और महाविद्यालय सभी के प्राध्यापकगण व विद्यालय के सभी शिक्षकों के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए संस्था के प्राचार्य डॉ. एन के ध्रुवें ने कहा कि ग्रामवासियों के सहयोग व प्रेम से यह शिविर उत्साह, श्रम साध्य ,उपलब्धि ,सेवा और समर्पण की भावना के साथ संपन्न होने जा रही है। रासेयो वालंटियर्स सामाजिक समरसता के भाव से जुड़कर समाज को आगे बढ़ाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जिस देश की युवा एक संकल्प शक्ति के साथ सामाजिक उन्नति के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं, वह देश सामाजिक कल्याण व प्रगति के पथ पर सदैव अग्रणी रहा है। प्राथमिक विद्यालय के प्रधान पाठक ने अपने स्वरचित छत्तीसगढ़ी कविता के माध्यम से स्वयंसेवक छात्रों के त्याग समर्पण व कार्यों की सराहना की। शिविर समापन पर रविंद्र श्रीवास्तव पूरनेश जायसवाल, नान्हू राम जयसवाल,गंगाराम जायसवाल, सुबुद्धि यादव,मुकेश यादव,सोनू यादव,अनुराग श्रीवास,नरेन्द्र ध्रुव आदि उपस्थित रहे। योग शिक्षक राजाराम साहू एवं रमेश जायसवाल का शिविर के प्रति सेवा व समर्पण भी अतुलनीय रहा है।

रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राधेश्याम साहू ने बताया कि शिविर में पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानपाठक जनक राम राजपूत, प्रधानपाठक अंगद गंधर्व रासेयो संयोजक डॉ. हरिशंकर सिंह राज, व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश अनंत दीप तिर्की एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार एवं छत्तीसगढ़ अलंकरण से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता अंकिता पांडे शुक्ला, भूतपूर्व सैनिक सोन सिंह राजपूत, राजपूत युवा मोर्चा के अध्यक्ष संजय सिंह राजपूत, प्रो. एन एस परस्ते, डॉ. नरेंद्र सलूजा, डॉ. अर्चना भास्कर ,प्रो. महेंद्र पात्रे, प्रो. विवेक साहू, प्रो. नितेश गढ़वाल, प्रो. हेमा टंडन, ग्रंथपाल पी पी लाठिया, प्रताप भानु शर्मा , कमल राजपूत, गणेश राजपूत, महेंद्र कुमार, गुरुदेव कुमार, अमित कुमार,अविनाश निर्मलकर, डॉ. गंगा गुप्ता, श्रेया श्रीवास्तव,प्रो. जितेंद्र शर्मा, प्रो. नरोत्तम पुरले,शिक्षक आत्माराम साहू,सुनील शर्मा, अभिजीत तिवारी, संतोष राजपूत, किशन कलमित्र, बजरंग बंजारा, मुकेश मोदी, आत्माराम साहू, ईश्वरी प्रसाद साहू,शोभाराम साहू, पुन्नी लाल निषाद , अमित जायसवाल, दिनेश ध्रुव, लोक रेखा कोसले,अनीता साहू, दूज भाई साहू, निंबा देवी राजपूत, भानु साहू धनंजय निषाद ने उपस्थित होकर स्वयंसेवक छात्रों के बौद्धिक विकास हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन व्याख्यान दिए। शिविर दलनायक के रूप में प्रवीण जायसवाल, राजा कश्यप, होली राम, दिलीप, ओमकार राजपूत, प्रवीण अहिरवार गोकर्ण ध्रुव सतीश विजय यादव ,अमित, ललित लाठियां, अवधेश सहित छात्र चंचल, दिव्या, काजल, प्रिया ,रोशनी, सुमन, प्रीति, प्रतिज्ञा ,चांदनी सहित छात्र-छात्राओं का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
राष्ट्रीय सेवा योजना
GPS Map Camera

राष्ट्रीय सेवा योजना
सात दिवसीय विशेष शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना
भारत सरकार,
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
राष्ट्रीय सेवा योजना
मेरा युवा भारत / MY BHARAT

मोह्तारातेली, छत्तीसगढ़, भारत
6m8v+gwr, मोह्तारातेली, छत्तीसगढ़ 495115, भारत
Lat 22.217025° Long 81.696095°
12/12/24 11:02 AM GMT +05:30

SURYA

शास-प्राथ-/पूर्व माध्य-शाला मोहतरा तेली
राष्ट्रीय सेवा योजना
सात दिवसीय विशेष शिविर

सात दिवसीय विशेष शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई

राजीव गांधी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई का 07 दिवसीय शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी प्रो. निधि सिंह के कुशल नेतृत्व में 07 से 13 दिसम्बर 2024 तक फूलवारी (एफ) के बिलासा पब्लिक स्कूल में सम्पन्न हुआ इस दौरान बालिकाओं द्वारा नशा मुक्ति, मेरा युंवा भारत, बेटी बचाओं थीम पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्राम वासियों को जानकरी दी गई।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Bilaspur City - 10 Dec 2024 - 10nya4
epaper.navabharat.news

राजीव गांधी कॉलेज का रासेयो का सात दिनी शिविर आरंभ

एनएसएस गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यों के लिए स्वयंसेवा करने से छात्रों को मिलता है आत्मविश्वास

नवभारत रिपोर्टर । लोरमी।

राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना बालक एवं बालिका इकाई का सात दिवसीय शिविर आरम्भ हुआ. इस संबंध मे महाविद्यालय के प्रो डॉ नरेन्द्र सलूजा ने बताया कि महाविद्यालय के बालक इकाई के शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ आर एस साहू के कुशल नेतृत्व मे बिलासा पब्लिक स्कुल फुलवारी (एफ) मे आरम्भ हुआ. इस शिविर का थीम मेरा युवा भारत के लिए तथा डिजिटल साक्षरता के लिए है इस शिविर के मुख्य अतिथि शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एन के ध्रुवे थे. स्वागत उपरांत डॉ आर एस साहू एवं प्रो निधि सिंह ने सात दिवसीय शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ ध्रुवे ने कहा कि एनएसएस छात्रों को व्यक्तिगत रूप से और समूह के रूप में भी विकसित होने में मदद करता है। एनएसएस गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यों के लिए स्वयंसेवा करने से छात्रों को आत्मविश्वास मिलता है, नेतृत्व कौशल विकसित होता है और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न लोगों के बारे में जानने का मौका मिलता है। इसके अलावा प्रो एस के जांगड़े प्रो एस एस राज, पी पी लाठिया, प्रो महेंद्र पात्रे, प्रो हेमा आर टंडन, प्रो नितेश गढेवाल, आर के श्रीवास्तव ने भी अपने अपने विचार प्रस्तुत किए, इस दौरान दोनों स्थानों के शिक्षक जनक राम राजपूत, आत्मा राम साहू, ईश्वरी प्रसाद, अमित जायसवाल, शोभा साहू, पुन्नी निषाद, अंगद गन्धर्व, रैतराम साहू, दुर्गा प्रसाद साहू, वीरेंद्र गंधर्व, प्रहलाद साकत सोनू राम साहू के साथ हीं महाविद्यालय के प्रो देवेंद्र जायसवाल, प्रो अमित निषाद, प्रो मनीष कश्यप, प्रो गंगा गुप्ता, प्रो श्रेया श्रीवास्तव, प्रो सुषमा डहरिया, प्रो गुरुदेव निषाद, गंगाराम जायसवाल, सुषमा उपाध्याय, प्रतापभानु शर्मा, शिव यादव, मुकेश यादव, अनुराग श्रीवास, नरेन्द्र ध्रुव, सुबुद्धि यादव, जितेंद्र दुबे, के साथ हीं राजा कश्यप, ललित कश्यप, अमित साहू, रिंकू जायसवाल, अवधेश, रानी कश्यप, प्रियंका सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित थे।

NOT ME BUT YOU

नारी शक्ती

1

हम नारी शक्ति
शिक्षा का दीप जलाए
हम नारी शक्ति
अज्ञानता की बेड़ियों को काट चुके
मंजिल राहों की कांटों को छांट चुके
साथ मिले और हाथ मिले
सेवा योजना का
नया गाथा विकास का
हम लिख चुके है
आओ मिलकर रहना
सीखे और सिखाए
हम नारी शक्ति
शिक्षा का दीप जलाए

2

कुंती पाण्डव की माता
लिखे अमर महाभारत गाथा
सावित्री से यमराज हारे
सत्यवान के प्राण निहारे
हैं कैसा अनुसूइया का नाता
त्रिदेव को पुत्र रूप मे पाता
अदम्य अदभूत अविस्मरणीय
कहती सदा इनकी गाथाएं
हम नारी शक्ति
शिक्षा का दीप जलाए
हम नारी शक्ति

3

देख वीरांगना रूप लोधी बाई
धूल चटाई अंग्रेजो को लक्ष्मी बाई
दुश्मनों से लोहा लिए राज गोड़वाना
दुर्गावती नाम से दुनिया जाना
खिलजी खिजाए पद्मा राजपुतानी
जिनकी थाती त्याग तपस्या बलिदानी
गजब स्नेह करती बिलासा दाई
कथा अकथ है और सुनो भाई
उनके आगे बढ़ते कदम कोई रोक ना पाए
हम नारी शक्ति
शिक्षा का दीप जलाए
हम नारी शक्ति

4

गीत की बहती सलिला
लता दीदी स्वर कोकिला
देखो कैसे राज करे इंदिरा
जैसे तरास कर निखरे हीरा
है कल्पना अंतरिक्ष यात्री
है किरण भारतीय सेवा की धात्री
अजब गजब कहानी
अजब गजब गाथाएं
हम नारी शक्ति
शिक्षा का दीप जलाए
हम नारी शक्ति

5

आओ मिलकर सेवा का संधान करे
दबे कुचले जन का समाधान करे
जन जागृति अभियान चलाए
स्वच्छता, पर्यावरण का संदेश सुनाए
दो कुल का उजाला वो है
आओ नारी को सबल बनाए
बेटी बचाए, बेटी पढ़ाए.....
बेटी बचाए, बेटी पढ़ाए.....
हम नारी शक्ति
शिक्षा का दीप जलाए
हम नारी शक्ति

अमित राम केंवट
हिंदी विभाग

Educational Tour

महाविद्यालय के विज्ञान विभाग के द्वारा विज्ञान संकाय के छात्र–छात्राओं को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिनांक 06.12.2024 को **भोरमदेव अभ्यारण** (कवर्धा) ले जाया गया, जहां अभ्यारण के **फारेस्ट रेंजर श्री दिलीप सिंह** ठाकुर एवं **बीट फारेस्ट ऑफिसर श्री लालचंद साहू** के द्वारा भोरमदेव अभ्यारण के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए वन्य जीव एवं वनस्पति तथा क्षेत्र विशेष में पाये जाने वाले तितलियों के बारे में जानकारी दिया गया।

National Science Day

महाविद्यालय के विज्ञान विभाग में नियमित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति शासन द्वारा वर्ष 2022 में की गई, तब से ही प्रतिवर्ष विज्ञान विभाग के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है, जिसमें विज्ञान विभाग के साथ–साथ कला एवं वाणिज्य विभाग के छात्र–छात्राएं भी भाग लेते है, इस दौरान विज्ञान मॉडल, क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, इस वर्ष मॉडल में प्रथम स्थान पर सीवन, ऋग्वेद, थलेश्वर और शिमांशु रहे द्वितीय स्थान पर गामिनी, सोनी, दिव्या रहे, तृतीय स्थान पर अवधेश, प्रियंका रहे, भाषण प्रतियोगिता में प्रथम हर्ष गुप्ता द्वितीय नंदकिशोर साहू, तृतीय मंजूश्री रही।

Blood Donation Camp

राजीव गांधी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी में महाविद्यालयीन रेड क्रास समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना, श्रीराम सेवा समिति, जिला अस्पताल मुंगेली के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन 06 जनवरी को महाविद्यालय में किया गया जिसमें प्राध्यापकों सहित लगभग 31 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

पेंड्रा . गौरेला . मरवाही . जरहागांव . सरगांव . लोरमी . पथरिया

शिविर में शिक्षकों व विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

लोरमी@पत्रिका. राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी में महाविद्यालयीन रेडक्रास समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), श्रीराम सेवा समिति लोरमी और जिला अस्पताल मुंगेली के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सरस्वती पूजन, राजकीय गीत व राष्ट्रगान हुआ।

प्राचार्य डॉ. एनके ध्रुवे ने विद्यार्थियों को रक्तदान हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान से शरीर में रक्त कोशिकाओं की पूर्ति होती है और नई, स्वस्थ कोशिकाएं बनती हैं। उन्होंने बताया कि रक्तदान से शरीर की ताज़ा रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ता है। रेडक्रास संयोजक प्रो. एनएस परस्ते ने रक्तदान के स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया, जैसे कि हृदय रोग का खतरा कम होता है और शरीर में आयरन का स्तर घटता है, जिससे ऑक्सीडेटिव क्षति कम होती है। एनएसएस संयोजक डॉ. आरएस साहू व प्रो. निधि सिंह ने कहा कि रक्तदान से रक्त प्रवाह में सुधार होता है। रक्त की चिपचिपाहट कम होती है, जिससे थक्के और स्ट्रोक का खतरा कम होता है। श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल ने रक्तदान को महादान बताया और कहा कि इससे किसी की जान बचाई जा सकती है। शिविर में महाविद्यालय के प्रो. डॉ. आरएस साहू, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लोरमी के नरेश अग्रवाल, दयाराम साहू, मनीष साहू, हर्ष साहू, कामधेनु गौ सेवा समिति लोरमी के अध्यक्ष प्रो. गुरुदेव निषाद, शिवसेना लोरमी विधानसभा के अध्यक्ष रामलला श्रीवास सहित अनेक विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। कुल 31 रक्तदाताओं ने इस शिविर में हिस्सा लिया।

राजीव गांधी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी में प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है इसके अलावा 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया जाता है। हिन्दी दिवस एवं विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में हिन्दी विभाग के द्वारा गीत, भाषण, निबंध, वाद–विवाद, कविता पाठ आदि साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति एवं लेखन क्षमता में वृद्धि करने के लिए हिन्दी विभाग अग्रणी भूमिका निभाता है।

संस्कृत से जन्मी है हिंदी ,शुद्धता का प्रतीक है हिंदी।
लेखन और वाणी दोनों को गौरान्वित करवाती हिंदी।
उच्च संस्कार वियिता है हिंदी,सतमार्ग पर ले जाती हिंदी।
जान और व्याकरण की नदियां,मिलकर सागर स्रोत बनती हिंदी।
हमारी संस्कृति की पहचान है हिंदी,आदर और मान है हिंदी।
हमारे देश की गौरव भाषा,एक उत्कृष्ट एहसास है हिंदी।।

गंगा राम जायसवाल
प्रयोगशाला तकनीशियन

अंतर्मन

जिंदगी किस दिशा की ओर बढ़ रही है?
नदी की अविरल धारा सी बस चलती जा रही है,
छल कपट फरेब का ही जोर है,
हर तरफ अब आततयीयों का बस शोर है,
धर्म जाति संप्रदाय की ही चर्चा है, मानवीय मूल्यो का
अब कहीं ना कोई दर्जा है,
अंतर्मन ऐसी दशा में मायूस और उदास है ,
फिर भी न जाने क्यों एक अनकही आस है,
शायद कभी इस धारा में फिर ईश्वर का अवतार हो,
और मानव मन में बस प्रेम रस की धार हो।।

डॉ. एन.के.सलूजा
हिंदी विभाग

रात नहीं ख्वाब बदलता है
मंजिल नहीं कारवां बदलता है
जस्बा रखो जीतने का,
क्योंकि किस्मत बदले न बदले
वक्त जरुर बदलता है

उमा शंकर राजपूत
कम्प्यूटर ऑपरेटर

हम राजीव गांधी कॉलेज

सूरज ह उगाही, चाँद हा छुपाही, मन मा हे अरमान,
मेहनती हे राजीव गांधी सब छुबो आसमान
हमन किसान के बेटा हवन, बढ़ाबो इहा के शान
मेहनती हे राजीव गांधी सब छुबो आसमान
गुप्ता मैडम हे शांत मन मा,
टंडन मैडम हे दबइया,
निधि मैडम प्यार देवईया,
भास्कर मैडम हसवईया,
हमन किसान के बेटा हवन, बढ़ाबो इहा के शान
मेहनती हे राजीव गांधी सब छुबो आसमान

प्रियंका सेन
बी.एस.सी प्रथम वर्ष

लक्ष्य (Aim)

जीवन में एक उद्देश्य और लक्ष्य का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमें अपने प्रयासों को एक दिशा में लगाने की प्रेरणा देता है। बिना लक्ष्य के जीवन का कोई स्पष्ट उद्देश्य नहीं होता, जिससे व्यक्ति असमंजस और अनिश्चितता महसूस कर सकता है। मेरे जीवन का लक्ष्य एक ऐसे पेशे में जाना है, जो समाज के लिए उपयोगी हो। मैं चाहता हूँ कि मैं अपनी शिक्षा और कौशल का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए कर सकूं। चाहे वह चिकित्सा, शिक्षा, या कोई अन्य क्षेत्र हो, मेरा उद्देश्य हमेशा यही रहेगा कि मैं किसी न किसी तरह समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकूं।

इसके लिए मैंने अपनी शिक्षा पर पूरा ध्यान दिया है और आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा हूँ। मेरा मानना है कि यदि हम अपने लक्ष्य को पूरी मेहनत और लगन से हासिल करने का प्रयास करें, तो हमें सफलता अवश्य मिलेगी। लक्ष्य जीवन को एक दिशा और उद्देश्य प्रदान करता है, जो जीवन को सार्थक बनाता है। यह हमें चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देता है और निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा देता है। लक्ष्य न केवल हमें सफलता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि यह जीवन में एक दिशा और उद्देश्य भी प्रदान करता है। यही हमें जीवन में संकल्प और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

चंद्रेश कुमार नट
बीएससी प्रथम वर्ष
ग्राम घोसर्रा

छत्तीसगढ़ मइया

पैरी, साटी ,लच्छा, तोड़ा
कमर में चढ़े करधन शोभा ।।
अंगरी म मुंदरी निक जाए
ऐटी चूरी कंकनी पटा बनूरिया
कलाई म चढ़ के बोलाथे जिया ।।
बाह म बाजूबंद नागमोरी हरइया
जय हो छत्तीसगढ़ मइया ।।
सुतिया ,दुलरी , तीलरी पुतरी मोहर
गला म लागे जैइसे सरोवर।।
तितरि तरकी लवंगफूल खिनवा
कान म मधुर स्वर जैइसे बिहान नवा।।
नथ ,नथनी , फुल्ली
नाक म चढ़े फूल के कली ।।
टिकली बिंदिया स्वर्ग में चढ़े
करिया बादर म मांगमोरी
जय हो छत्तीसगढ़ मइया ।।

संतोष कुमार साहू
बीएससी प्रथम वर्ष
ग्राम मूछेंल

कुछ करना है तो चलो

कुछ करना है तो आत्मविश्वास से चल
थोड़ा भीड़ से हटकर चल।
राह पर तो सभी चलते हैं,
तू इतिहास बनाता चल ।
बिना काम के मुकाम कहां?
बिना मेहनत के दाम कहां ?
जब तक हासिल ना हो मंजिल ,
तो राह में आराम कहां।
अर्जुन सा निशाना रख,
लक्ष्य सामने है बस उसी पर ध्यान रख ।
सोच मत, साकार कर
मिलेगी तेरी मेहनत का फल,
किसी और का ना इंतजार कर ।
जो चले थे अकेले ,
आज उनके पीछे मेले हैं,
जो करते रहे इंतजार ,
उनकी जिंदगी में आज अनेक झमेले हैं

हर्ष गुप्ता
बीएससी प्रथम वर्ष
ग्राम लिम्हा

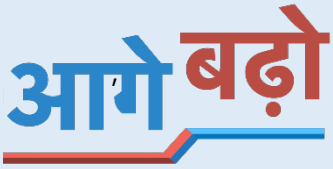

Digital Education

डिजिटल शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमे डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके शिक्षा प्रदान की जाती है। यह छात्रों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम, वीडियो लेक्चर और अन्य डिजिटल संसाधनों के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करती है।

1. लचीलापन - ऑनलाइन शिक्षा लचीलापन प्रदान करती है, जिससे छात्र कभी भी और कहीं भी अध्ययन कर सकते हैं, कामकाजी व्यक्तियों, माता-पिता या अनियमित समय वाले लोगों के शेड्यूल को समायोजित कर सकते हैं। यह अनुकूलनशीलता छात्रों को उनकी शैक्षिक गतिविधियों और अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों का प्रबंधन करने में मदद करती है।

2. पहुंच - ऑनलाइन शिक्षा में सुगमता, केवल एक इंटरनेट कनेक्शन द्वारा सुगमता, किसी भी भौगोलिक स्थान से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँचने की अनुमति देती है, इस प्रकार दूरी और यात्रा की बाधाओं को समाप्त करती है। यह सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण या वंचित क्षेत्रों में रहने वालों के लिए फायदेमंद है।

3. गति नियंत्रण - छात्र अपनी सीखने की प्राथमिकताओं और क्षमताओं के अनुरूप गति से पाठ्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ सकते हैं, जिससे तेजी से सीखने वाले अपनी पढ़ाई में तेजी ला सकते हैं और जिन्हें बिना किसी दबाव के आगे बढ़ने के लिए अधिक समय की आवश्यकता होती है।

4. लागत प्रभावी- ऑनलाइन शिक्षा में आम तौर पर पारंपरिक कैंपस-आधारित शिक्षा की तुलना में कम लागत लगती है, जिसमें आवागमन, आवास और अक्सर पाठ्यक्रम सामग्री तक की बचत होती है, जिससे शिक्षा आर्थिक रूप से अधिक सुलभ हो जाती है। यह वहनीयता शिक्षा के वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करती है, जिससे यह छात्रों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अधिक प्राप्त करने योग्य बन जाती है।

राजकुमार भास्कर
बीएससी प्रथम वर्ष
ग्राम गातापार

विज्ञान विभाग की कलाकारी

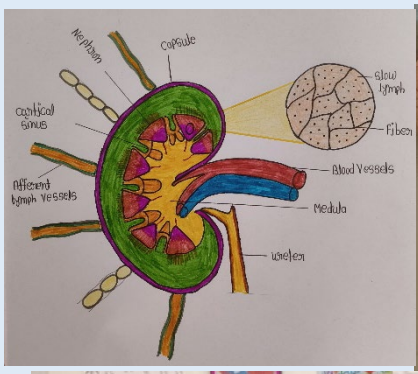

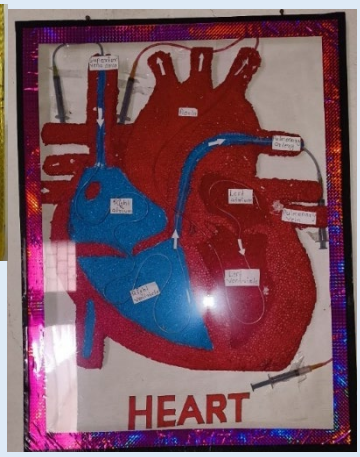

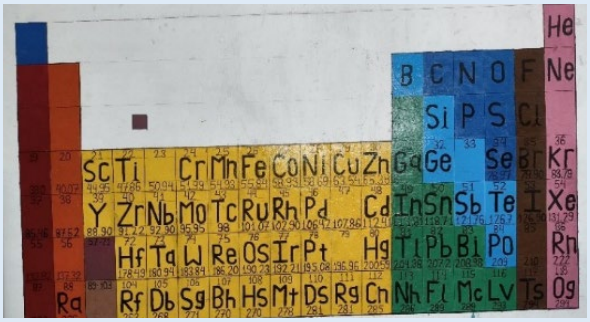

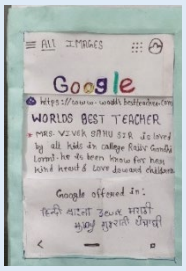

महाविद्यालय से चयनित छात्र छात्राएं

निमंशा राजपुत
असम राइफल में चयनित

शिव कुमार साहू
UGC-NET

हरि चंद्र पटेल
सहायक शिक्षक

नीरज सिंह राजपूत
सहायक शिक्षक

किरण लता बंजारे
UGC NET Ph.D

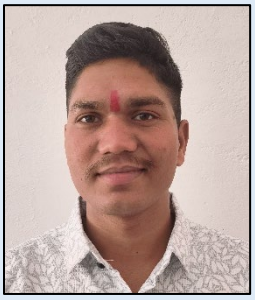

नीलकमल बंजारे
CRPF

योगदान

भीषण गर्मी की वजह से महाविद्यालय में जल स्तर गिर गया जिसके कारण पेय जल की समस्या उत्पन्न हुई, माननीय उप मुख्यमंत्री **श्री अरुण साव** जी द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए नए नल कूप की व्यस्था की गई साथ ही वाटर कुलर भी उपलब्ध कराया गया, छात्र-छात्राओं के हित में किया गया यह जन परोपकारी कार्य हमारे लिए सदैव स्मरणीय रहेगा |

नगर पालिका लोरमी के वार्ड क्रमांक **14** के पार्षद श्री सोहन लाल डडसेना द्वारा एक वाटर कूलर ,चार स्टील कुर्सी एवं दो गार्डन कुर्सी की व्यवस्था राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी में किया गया, छात्र-छात्राओं के हित में किया गया यह जन परोपकारी कार्य हमारे लिए सदैव स्मरणीय रहेगा

सोहन लाल डडसेना
पार्षद वार्ड क्र.14

National Mathematics Day*

महाविद्यालय में गणित विभाग के द्वारा प्रति वर्ष 22 दिसम्बर को महान गणितज्ञ श्रीविनवास रामानुजन के जयंती पर राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है

वृक्षारोपण

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय प्रांगण एवं महाविद्यालय द्वारा लिये गये गोदग्राम में वृक्षा रोपण किया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ.राधेश्याम साहू एवं श्रीमती निधी सिंह के निरंतर प्रयास से महाविद्यालय के खाली पड़े भूमि में लगभग 60 से अधिक पौधों को रोपा गया उनके द्वारा किया गया यह कार्य हम सभी के लिये प्रेरणास्पद है।

पृथ्वी के महत्व को समझते हुए दिया गया उसके संरक्षण पर जोर

लोरमी@पत्रिका. राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान दिवंगत प्रो. अजय कुमार पन्ना की स्मृति में पौधरोपण किया गया। प्रो. नरेंद्र सलुजा ने बताया कि महाविद्यालय में नीम, पीपल, बरगद, करंज आंवला व कुसुम आदि का पौधरोपण किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनके ध्रुवे ने कहा कि दुनियाभर के देश हर साल 22 अप्रैल को अर्थ डे या पृथ्वी दिवस मनाते हैं। पृथ्वी और इसके वातावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से लोगों को जागरूक करने के लिए पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि पृथ्वी के महत्व को समझते हुए और इसके संरक्षण के लिए पूरे विश्व के लोगों ने एक दिन का चुनाव किया, जिसे अब विश्व पृथ्वी दिवस के नाम से जाना जाता है। प्रो. एचएस राज ने कहा कि अर्थ डे को मनाने की शुरुआत 1970 में हुई थी। सबसे पहले अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण की शिक्षा के तौर पर इस दिन की शुरुआत की थी। एक साल पहले 1969 में कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में तेल रिसाव की वजह से त्रासदी हो गई थी। इस हादसे में कई लोग आहत हुए और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने का फैसला किया। इसके बाद नेल्सन के आह्वान पर 22 अप्रैल को लगभग दो करोड़ अमेरिकियों ने पृथ्वी दिवस के पहले आयोजन में हिस्सा लिया था। प्रो. आरएस साहू ने प्रो. पन्ना के योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रो पन्ना ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बहुमूल्य योगदान दिया हैं। उनके ही प्रयास से महाविद्यालय परिसर एवं प्रांगण हरियाली से परिपूर्ण है। उन्होंने ही महाविद्यालय में वाटिका (गार्डन) का निर्माण कराया। महाविद्यालय परिवार उनके इस अमूल्य योगदान के लिए सदैव ऋणी रहेगा तथा गार्डन का नाम प्रो अजय कुमार पन्ना स्मृति वाटिका रखा जाएगा। इस अवसर पर प्रो. जेआर ध्रुव, एनएस परस्ते, पीपी लाठियां, निधि सिंह, विवेक साहू, नितेश गढेवाल, महेंद्र पात्रे, देवेन्द्र जायसवाल, अर्चना भास्कर, हेमा आर टण्डन, आर के श्रीवास्तव, एनआर जयसवाल, पी के जायसवाल, एमके यादव, नैना वर्मा, सुषमा उपाध्याय, अमित निषाद, नंदिनी गर्ग, मनीष कश्यप, शिवकुमार यादव, मुकेश यादव, अनुराग श्रीवास, धनेश्वरी भास्कर, सुबुद्धि यादव, नरेन्द्र ध्रुव व रूप सिंह सहित अनेक विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दी।

Eco Friendly Environment
NATIONAL SERVICE SCHE

राष्ट्रीय सेवा योजना

Shot on OnePlus × Hasselblad

OPPO A78

GPS Map Camera

राजीव गांधी शास.कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी
जिला - मुंगेली (छ.ग.)
राष्ट्रीय सेवा योजना

बेटी

हर पिता की जान है बेटी
हर माता की मान है बेटी
घर आंगन में आती है जिसकी खुशबू
सबसे अलग पहचान है बेटी.
अपने जब साथ छोड़ जाएँ,
मुश्किल में जब मुंह मोड़ जाएँ,
दुख के समय तब काम जो आये
कहे 'राज' समझाय,
माता-पिता की अभिमान है बेटी.
समरसता का भाव जगाती,
मर्यादा का पाठ पढ़ाती,
सीता, उर्मिला,अहिल्या, सबरी- सा
धैर्य, धीरज धारण करवाती
इसीलिए तो कहते हैं

हर घर की शान है बेटी...
रामायण की सीख है बेटी,
और गीता का ज्ञान है बेटी,
राधा की एहसास है बेटी,
मोहन मुरली की गान है बेटी,
सरस्वती की सादगी और
वीणा की तान है बेटी..
घर - घर की खुशहाली है बेटी,
जैसे पूजा की थाली है बेटी,
भोले शंकर - सा भोलापन है,
कभी दुर्गा कभी काली है बेटी.

डॉ. हरिशंकर सिंह राज
विभागाध्यक्ष-हिंदी

रावण जलाबो

1
पोथी के कोठी
होगे बरस पलटा
मरम के करम
भागे हे उलटा
मन कस मरजी
जउन मे आगी लगाबो कइसे
मन के रावण जलाबो कइसे

2.
भाई सही कसाई
मित्र हे विचित्र
पहुना हे नपावन
मइके हे मनभावन
रिस्ता के फसल उगाबो कइसे
मन के रावण जलाबो कइसे

3.
रस्ता हालत खस्ता
जिनगी ले मरना सस्ता
सुविधा ला परोसे मा
गरजथे रुपिया के दस्ता
जन के पीरा ला टारबो कइसे
मन के रावण जलाबो कइसे

4.
भौतिक सुख के बाढ़थे रुख
सुरसा महंगाई कस मुख
सही गलत के बिचार
निगलजाथे पेट के भूख
कम ले जादा पाय के आस
ओही मनखे बनजथे खास
सनेह के नीर सिंचबो कइसे
मन के रावण जलाबो कइसे।।

अमित राम केंवट
हिंदी विभाग

हे भारत मां

हे भारत मां तेरे सर को कभी झुकने न देंगे हम,
हे भारत मां तेरे सर को कभी झुकने न देंगे हम,
कदम अपने तेरी खातिर, कभी रुकने न देंगे हम,
कदम अपने तेरी खातिर, कभी रुकने न देंगे हम,
तिरंगा शान है अपनी, यही पहचान है अपनी,
तिरंगा शान है अपनी, यही पहचान है अपनी,
मिटा देंगे अपनी जां,
मिटा देंगे अपनी जां
इसे मिटने न देंगे हम...
हे भारत मां तेरे सर को कभी झुकने न देंगे हम,
तेरे सर को कभी झुकने न देंगे हम,
भरोसा है हमें खुद पर, आच ना आयेगी तुझ पर,
भरोसा है हमें खुद पर, आच ना आयेगी तुझ पर,
तेरी ममता की ज्योति को, कभी बूझने न देंगे हम,
तेरी ममता की ज्योति को, कभी बूझने न देंगे हम,
हे भारत मां तेरे सर को कभी झुकने न देंगे हम,
तेरे खातिर जिएगे हम, तेरे खातिर मरेंगे हम,
खातिर जिएगे हम, तेरे खातिर मरेंगे हम,
तेरे कदमो में कांटे भी अभी चुभने न देंगे हम,
तेरे कदमो में कांटे भी अभी चुभने न देंगे हम,
हे भारत मां तेरे सर को, कभी झुकने न देंगे हम ,
कभी झुकने न देंगे हम....

श्रीमती सुषमा उपाध्याय
बूक लिफ्टर

कलाकार के जिनगी

कलाकार के जिनगी भी कहां आसान रहिथे,
लोग बने कलाकार ल पसंद करथे,
फेर बनत कलाकार ल कहां पसंद करे जाथे।
एक कलाकार सब ल नचाथे,
अपन दुख ल भुला के, दुसर ल हंसाथे।
खुद के घर म दुःख के पहाड़ रईही,
तभो ले दुसर के घर म खुशी के माहोल बनाथे।
वो कलाकारी के नशा म अइसे खो जाथे,
कलाकारी ल ही अपन जीवन बताथे।
घर परिवार कलाकारी ल फ़ालतू बताथे,
कुछु सुघघर काम बता कर कहीके ताना सुनाथे।
फेर एक कलाकार ल ये सब कहां सुझाथे,
वो तो कलाकारी के धुन म ही चले जाथे।
समाज ओला कभु बईहा त कभु पगला बताथे,
तभो ले एक कलाकार अइसे मुस्कुराथे,
जइसे ओखर तारीफ़ किए जाथे।
कलाकार के मेहनत ल कहां देखें जाथे,
दुसर ल खुश करें बर ऊपर के पसीना नीचे तक बहाथे।
फिर भी लोगन मन के द्वारा कलाकार के बुराई कर दिए जाथे।
घर ले दूर रहीके कलाकारी करें बर जाथे,
तब जाके चार पेट ल चलाथे ।
जताने वाला मन अइसे जताथे, कलाकारी ल आसान बताथे।
कभू मौका मिलही त कोई कलाकार पूछबे,
एक कलाकार ल का कुछ सुने अउ सुनाए जाथे।
घर के जिम्मेदारी निभाए बर कखरो गारी त कखरो मार भी पड़ जाथे।
फेर का कर बे साहब,
घर के जिम्मेदारी बर सब कुछ सहा जाथे ।

KALAKAR

नागेश्वर मरकाम
एम.कॉम प्रथम वर्ष

राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर

राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक कुमारी पूर्णिमा जायसवाल (एम.ए. हिन्दी) एवं रितेश यादव (एम.ए. हिन्दी) का चयन राज्य स्तरीय सात दिवसीय नेतृत्व परीक्षण शिविर 2025 के लिए हुआ। यह शिविर केशवपुर, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़ के शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में 21 से 27 मार्च तक आयोजित हुआ।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Bilaspur City - 24 Mar 2025 - 24nya4
epaper.navabharat.news

राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय शिविर में पूर्णिमा और रितेश का चयन

नवभारत रिपोर्टर । लोरमी ।

राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा एम ए हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी कु पूर्णिमा जायसवाल एवं रितेश यादव का चयन राज्य स्तरीय शिविर सात दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए हुआ हैं। इस संबंध में महाविद्यालय के प्रो. डॉ. नरेंद्र सलूजा ने बताया हैं कि इस शिविर का थीम मेरा युवा भारत के लिए युवा डिजिटल भारत के लिए युवा हैं। यह शिविर केशवपुर (अंबिकापुर) सरगुजा छत्तीसगढ़ के शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में 27 मार्च तक आयोजित हैं। उक्त विद्यार्थियों के चयन होने पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आर एस साहू एवं प्रो निधि सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि संपूर्ण मुंगेली जिला के लिए गौरव की बात हैं क्योंकि इसी महाविद्यालय से रासेयो के स्वयंसेवक का चयन राष्ट्रीय पर्व में सहभागिता के लिए भी हुआ था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन के धुर्वे ने कहा कि हमारे महाविद्यालय के स्वयंसेवक सामाजिक कार्य में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। कोरोना काल, मतदान, मतदाता जागरूकता, रक्तदान, आदि कार्योंर् में स्वयंसेवकों की जागरूकता सराहनीय हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. एन एस परस्ते, प्रो. एस के जांगड़े, डॉ. एच एस राज, पी पी लाठिया, प्रो. हेमा आर टंडन ,डॉ. अर्चना भास्कर, प्रो.विवेक साहू, प्रो. नितेश गढ़ेवाल, प्रो. महेंद्र पात्रे, प्रो. देवेंद्र जायसवाल, आर के श्रीवास्तव, पी के जायसवाल, एन आर जायसवाल, जी आर जायसवाल, सुषमा उपाध्याय, प्रो. अमित निषाद, प्रो. श्रेया श्रीवास्तव, प्रो. गुरुदेव निषाद, डॉ गंगा गुप्ता, प्रो. सुषमा डहरिया, प्रो. मनीष कश्यप,अविनाश निर्मलकर, पी बी शर्मा, भागबली जायसवाल, अविनाश साहू , शिव यादव, मुकेश यादव, सुबुद्धि यादव, नरेंद्र ध्रुव, जितेंद्र आदि ने उक्त विद्यार्थियों के चयन होने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

दैनिक भास्कर प्रतियोगिता परीक्षा

राष्ट्रीय युवा महोत्सव

राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक कुमारी पूर्णिमा जायसवाल (एम.ए. हिन्दी) का चयन नई दिल्ली में आयोजित 28वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 में प्रतिभागी के रूप में चयनित होकर महाविद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई की स्वयंसेविका कू पूर्णिमा जायसवाल का चयन नई दिल्ली में आयोजित 28 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में

रिपोर्टर रवि जायसवाल

लोरमी/अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर से संबद्ध राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी की एम ए हिंदी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा तथा राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई की स्वयंसेविका कू पूर्णिमा जायसवाल का चयन नई दिल्ली में आयोजित 28 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रतिभागी के रूप में हुआ हैं। इनके पिता अनुपराम जायसवाल ग्राम गंजी तहसील लालपुर जिला मुंगेली से हैं जो सामान्य कृषक हैं। बेटी का प्रतियोगिता में चयन होने पर परिवार और गांव में हर्ष व्याप्त है। इस संदर्भ में महाविद्यालय के प्रो डॉ नरेंद्र सलूजा ने बताया कि सचिव, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,युवा कार्यक्रम नई दिल्ली द्वारा 11 एवं 12 जनवरी आयोजित विभिन्न विधाओं सामूहिक लोकगीत,सामूहिक लोकनृत्य, विज्ञान मेला,कविता,कहानी लेखन,चित्रकला तथा तात्कालिक भाषण आदि में राज्य का प्रतिनिधित्व करने संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण छत्तीसगढ़ के द्वारा पूर्णिमा का चयन तात्कालिक भाषण में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करने हेतु हुआ हैं। पूर्णिमा जायसवाल के चयन राष्ट्रीय युवा महोत्सव के तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों द्वारा पूर्णिमा को अग्रिम बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं गई। प्राचार्य एन .के.धुर्वे ने कहा कि पूर्णिमा जायसवाल राष्ट्रीय स्तर पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण क्षेत्र की छात्रा है, उनका चयन होने पर पूरा महाविद्यालय परिवार गौरवान्वित है। प्राचार्य के अलावा प्रो एन एस परस्ते,प्रो एस के जांगड़े,डॉ एच एस राज रासेयो के कार्यक्रम प्रभारी डॉ आर एस साहू एवं प्रो निधि सिंह सहित महाविद्यालय के श्री पी पी लाठिया,डॉ अर्चना भास्कर,प्रो नितेश गढ़ेवाल,प्रो महेंद्र पात्रे, प्रो विवेक साहू, प्रो हेमा टंडन,प्रो देवेंद्र जायसवाल,श्री आर के श्रीवास्तव, श्री एन आर जायसवाल, श्री पी के जायसवाल, श्री गंगाराम जायसवाल,प्रो अमित निषाद, प्रो मनीष कश्यप,प्रो श्रेया श्रीवास्तव,डॉ गंगा गुप्ता, प्रो गुरुदेव निषाद, श्री अश्विनी निर्मलकर, प्रो सुषमा डहरिया, श्रीमती सुषमा उपाध्याय,श्री प्रतापभानु शर्मा, श्री भागबली शर्मा,श्री शिव यादव, श्री सोनू यादव, श्री मुकेश यादव, श्री अविनाश साहू, श्री अनुराग श्रीवास, श्री सुबुद्धि यादव, श्री नरेन्द्र यादव, आदि ने शुभकामनाएं दी हैं.

जल जगार महोत्सव

जल जगार महोत्सव धमतरी के गंगरेल बांध में दो दिवसीय (05–06 अक्टूबर) जल संरक्षण पर आधारित कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको ने प्रतिनिधित्व किया जिसमें महाविद्यालय से पायल वर्मा (तृतीय वर्ष)का चयन हुआ। महोत्सव का उद्देश्य लोगों को जल से जोड़ने एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ भावी विधायकों को अपने क्षेत्र की जल समस्याओं से जोड़ना था।

रासेयो एबीवीवी के स्वयंसेवकों ने जल विधानसभा में किया प्रदर्शन

इवनिंग टाइम्स

बिलासपुर। जल जगार महोत्सव धमतरी के गंगरेल बांध में दो दिवसीय जल संरक्षण पर आधारित जल ग्राम/विधानसभा कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने प्रतिनिधित्व किया।मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव जी की उपस्थित रही। जिसमें कार्यक्रम अधिकारी मोना केवट पीएनएस महावि? के नेतृत्व में ? अटल बिहारी वाजपेई विवि एवं नंदकुमार पटेल विवि रायगढ़ के प्रत्येक जिले से कुल 8 स्वयंसेवकों ने जल सभा में विस अध्यक्ष से लेकर मंत्री की भूमिका निभाई और विपक्ष पद पर रहकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। श्रुति साहू शा ई राघवेंद्र राव विज्ञान महावि की स्वयंसेविका ने महिला बाल विकास मंत्री की भूमिका निभाई ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस का पुरस्कार प्राप्त किया। गुलशन कुमार पंत वीरांगना रानी दुर्गावती शास महावि मरवाही, पायल वर्मा शास राजीव गांधी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय लोरमी ने विपक्षी नेता बनकर प्रश्न काल के दौरान प्रश्न पूछा और रायगढ़ विवि से समृद्धि पटेल, राधेश्याम साहू, रागनी मधुकर,करण बंजारे ने जल नेता के रूप में अपनी सहभागिता प्रदान कि। इसके आयोजक धमतरी जिला प्रशासन रासेयो जिला संगठक निरंजन कुमार, समर्थन के संचालक देवी प्रसाद दास , रामानुज प्रताप को आभार तथा महोत्सव का उद्देश्य लोगों को जल से जोड़ने एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ भावी विधायकों को अपने क्षेत्र की जल समस्याओं से जोड़ना था।

दीक्षांत समारोह में समान्नित हुई छात्राएं

राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी की पाँच छात्राओं ने अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के द्वारा शिक्षा सत्र 2022–23 की जारी टॉप टेन की मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफलता हासिल की है। एम.ए. इतिहास की चार छात्राओं कु. किरणलता बंजारे, कु. ज्योति टंडन, कु. लक्ष्मी ठाकुर, कु. लक्ष्मीन तथा एम.ए. हिन्दी की छात्रा कु. अंजली शर्मा ने स्थान बनाया है। दिनांक 31.08.2024 को आयोजित विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्राओं का सम्मान गया एवं उपाधि प्रदान की गयी।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मानित होंगी कॉलेज की छात्राएं

लोरमी। राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरम्मी की पांच छात्राओं ने अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के द्वारा शिक्षा सत्र 2022-23 की जारी टाप टेन की मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफलता हासिल की है। इन छात्राओं को विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह में उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। चयनित छात्राओं में एमए हिन्दी की छात्रा कु अंजलि शर्मा आत्मजा संतोष शर्मा ने अष्टम, एमए इतिहास की 4 छात्राओं कु. किरण लता बंजारे आत्मजा दिलीप बंजारे ने चतुर्थ, कु. ज्योति टंडन आत्मज भानु टंडन ने पंचम, कु. लक्ष्मी ठाकुर आत्मज शत्रुघ्न सिंह ठाकुर ने षष्ठम तथा लक्ष्मीन आत्मज काशीराम ने दशम स्थान प्राप्त किया हैं। महाविद्यालय की 5 छात्राओं के द्वारा विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन.के. ध्रुवे ने पांचों छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 3-3 हजार रूपये प्रदान किया है। प्राचार्य डॉ. ध्रुवे, प्रो. एन एस परस्ते, प्रो एस के जांगड़े, प्रो एच एस राज, पी पी लाठिया, प्रो नरेंद्र सलूजा, डॉ. आर एस साहू, प्रो. निधि सिंह, प्रो विवेक साहू, प्रो. महेंद्र पात्रे, डॉ. अर्चना भास्कर, प्रो. हेमा टंडन, प्रो नितेश गढ़ेवाल, प्रो देवेंद्र जायसवाल, आर के श्रीवास्तव, पूरनेश जायसवाल, गंगाराम जायसवाल, एन आर जायसवाल, डा पल्ल्वी नंदी, प्रो अमित निषाद, प्रो. गुरुदेव निषाद, प्रो. मनीष कश्यप, डा गंगा गुप्ता, सुषमा उपाध्याय, शिव यादव, मुकेश यादव, अनुराग श्रीवास, सुबुद्धी यादव, नरेंद्र ध्रुव, जितेंद्र दुबे आदि ने उक्त छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

जीवन का संदेश

प्रण तोड़ कर, रण छोड़ कर,
जीवन समर से, मुख मोड़ कर।
शस्त्र गिरा कर, स्वधर्म त्याग कर,
क्या बनता है जीवन महान?
सिर्फ प्राणों की रक्षा ही क्या,
एक योद्धा की सच्ची पहचान ?
जो सत्य हेतु पीछे हटे,
क्या वह नहीं होता पराजय का पथिक?
रणभूमि का हर कण कहता है,
संघर्ष ही जीवन का है श्रंगार ।
पीठ दिखा कर भाग जाना,
केवल मृत्यु का है उपसंहार ।
रथ मोड़ कर यदि सोचा विश्राम,
तो इतिहास करेगा तिरस्कार!
विजय उन्हीं को मिलती है सदा,
जो डट कर करें प्रतिकार।
धर्मपथ पर अडिग जो चले,
हर बाधा को ललकारे है ।
वही पुरुष वीर कहलाए है
उसकी गाथा अमर हो जाए।।

कविता इंगित करती है जीवन के स्वप्न,महत्वकांक्षा, परिस्थिति और मन के अंतर संघर्ष,जो निरंतर भीतर सकारात्मक - नकारात्मक के द्वंद को दर्शाती है

उदित नारायण चतुर्वेदी

राज्य युवा महोत्सव 2024

छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024 का आयोजन राजधानी रायपुर में हुआ जिसमें मुंगेली जिले के राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी में अध्ययनरत बीए द्वितीय वर्ष की दो राष्ट्रीय स्वयं सेवकों तुलसी एवं भानु का चयन होने पर महाविद्यालय परिवार के द्वारा शुभकामनाएं दी गई इसके साथ ही निबंध ,भाषण प्रत्योगिता में पूर्णिमा जासवाल एवं खेल बालीबाल में इन्द्राणी , पोषनी ने पुरस्कार प्राप्त किय। इसके अतरिक्त बड़ी संख्या में महाविद्यलय के विद्यार्थियों ने युवा महोत्सव में भाग लिया।

लाल किला स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2024 को लाल किला नई दिल्ली पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन हुआ जिसमे महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा के स्वयं सेवक **ओमकार राजपूत** (एम.ए. हिन्दी) का चयन हुआ यह महाविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Bilaspur City - 11 Aug 2024 - 11nya4G
epaper.navabharat.news

लाल किला में समारोह के लिए ओंकार का चयन

लोरमी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन लाल किला नई दिल्ली में किया जाएगा। जिसमे राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा एम ए हिन्दी के छात्र ओमकार राजपूत का चयन उक्त समारोह में प्रतिभागी होने हुआ है। इस संबंध में प्रो. नरेंद्र सलूजा ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अभियान के वालेंटियर के रूप में ओमकार का चयन हुआ है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से प्राप्त इस उत्प्ट उपलब्धि के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन के ध्रुव ने कहा कि हमारे महाविद्यालय को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से यह गरिमामय अवसर प्राप्त हुआ है यह पल हमारे ग्रामीण परिवेश के महाविद्यालय के लिए हमेशा यादगार रहेगा । डॉ. आर एस साहू एवं प्रो. निधि सिंह ने कहा कि महाविद्यालय के छात्र को यह उपलब्धि प्राप्त हुई है जिससे महाविद्यालय परिवार गौरवान्वित है। रासेयो के संयोजक एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. एच एस राज ने कहा कि यह पल महाविद्यालय, रासेयो इकाई तथा हिन्दी विभाग के लिए गौरवशाली पल है। राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य या नारा है मैं नहीं बल्कि आप। यह लोकतांत्रिक जीवन के सार को दर्शाता है। महाविद्यालय प्रो एन एस परसते, प्रो एस के जांगड़े, पी पी लाठिया, प्रो नरेंद्र सलूजा, प्रो विवेक साहू, प्रो महेंद्र पात्रे, प्रो नितेश, प्रो देवेंद्र जायसवाल, डॉ. अर्चना भास्कर, प्रो हेमा टंडन, आर के श्रीवास्तव, एन आर जायसवाल, पूर्णेश जायसवाल गंगा राम जायसवाल, डॉ. गंगा गुप्ता, प्रो अमित निषाद, प्रो गुरुदेव निषाद, ड पल्ल्वी नंदी, प्रो मनीष कश्यप, अविनाश निर्मलकर, पी बी शर्मा, भगबली जायसवाल, सुषमा उपाध्याय, शिव यादव, मुकेश यादव, अनुराग श्रीवास, जितेन्द्र दुबे, नंदू जायसवाल, सुबुद्धी यादव, नरेंद्र ध्रुव आदि ने ओमकार राजपूत को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

आगे बढ़े चल...

तु मुट्ठी को बांधे चल
अपने लक्ष्य को साधे चल
कर अर्जुन सी शिक्षा ग्रहण
तु कर्ण की तरह शास्त्रार्थ कर
जीवन की हर कठिनाईयों से लड़
तु सपनों में संकल्प भर
आगे बढ़े चल...
आगे बढ़े चल...

अगर है तुझको पानी मंजिल
तो बनजा बहरा एक पहर
दुनिया के शोरगुल से
तु उड़ चल अपनी डगर
तु सपनों में संकल्प भर
आगे बढ़े चल...
आगे बढ़े चल...

तु न थके कभी
तु न थमे कभी
तु न झुके कभी
तु न रूके कभी
तु सपनों में संकल्प भर
लक्ष्मण की तरह लक्ष्य धर
आगे बढ़े चल...
आगे बढ़े चल...

तु दुनिया को बता एक बात
ये हालातों की एक भट्ठी है
तु सोना बनजा एक पहर
सोने को कौन जलाया है।
तु सपनों में संकल्प भर
आगे बढ़े चल...
आगे बढ़े चल...

अगर है सपनों में जान तो
एक दिन उड़ान भी तेरी तेज होगी
आज तु जगता है, जग सोता है
एक दिन ओ भी आयेगा
जब तु सोयेगा, जग जागेगा
तु सपनों में संकल्प भर
आगे बढ़े चल...
आगे बढ़े चल...

तु राम की तरह मर्यादा ला
न खोना अपनी धैय कभी
एक तुलसी न राम लिखी
राम की जय–जय बोली थी
एक तुलसी फिर जनमेगा
जो तेरी जय–जय बोलेगा
तु सपनों में संकल्प भर
आगे बढ़े चल....

सपनों को पुरा करने में
कई विपत्ति आयेगी
कोई तुझे रोकेगा, कोई तुझे टोंकेगा
तु करले सपत आगे बढ़ने की
हर पत्थर से टकराने की
नदी से सिख ले एक बात
अपनी राह स्वयं बनाने की
तु सपनों में संकल्प भर
आगे बढ़े चल...
आगे बढ़े चल...

पूर्णिमा जायसवाल
एम. ए. हिन्दी साहित्य

अगर है प्रगति पथ पर चलना
तो करले चरित्र पवित्र अभी
जिन्दगी जिने की कला सिखले
होगा न तु उदास कभी
तु सपनों में संकल्प भर
आगे बढ़े चल...
आगे बढ़े चल...

Never Give Up

Life is a race which is all about winning. But winning is not the only end point. In life, we should understand no one has made great achievements in the first day. World famous Cricket Player Sachin Tendulkar did not become popular in one day. He took him lot of failures and challenges to become what he is today. When he faced failures, he did not give up; he kept trying till he met success in life. Similarly, in our life we should wait with patience. Hard work pays. So, we should "Never Give Up" until we reach what we are focusing.

Nitesh Kumar Garhewal
Asst. prof. English

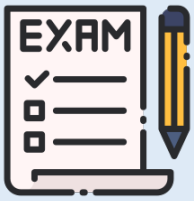

परीक्षा

परीक्षाएँ हमारी शिक्षा प्रणाली का हिस्सा हैं। हम जितनी ज़्यादा परीक्षाओं मे बैठेगें हमारे कौशल और ज्ञान उतने ही मज़बूत होगें अक्सर लोगों का मानना होता है कि परीक्षाएँ सिर्फ़ हमारे अकादमिक प्रदर्शन को मापने के लिए होती हैं। बेशक परीक्षाएँ हमारे कौशल और ज्ञान के आधार पर हमारे अकादमिक प्रदर्शन को मापती हैं लेकिन उनका उद्देश्य कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। वे सिर्फ़ औपचारिक मूल्यांकन नहीं हैं बल्कि वे हमें जीवन में तैयारी के महत्व को सिखाते हैं। जब हम परीक्षा की तैयारी करते हैं तो हम स्थिति की गंभीरता को समझते हैं और इसलिए हम कड़ी मेहनत करते हैं। यही परीक्षाओं का मूल उद्देश्य है छात्र अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन कर सकते हैं, अपनी ताकत और कमज़ोरियों को उजागर कर सकते हैं और उसके अनुसार उनमें सुधार कर सकते हैं

ममता कश्यप
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
ग्राम- सरई पतेरा

हमारे शिक्षक

जब पहला पग पड़ा विद्यालय में तब मैं कोर पन्ना था,
मुझे भी शिक्षा ग्रहण करके एक अच्छा इंसान बनना था,
साथ दिया मेरे शिक्षकों ने और सिखाई हर नई बात मुझे ,
अपनी लिखी कुछ पंक्तियों में मैं नमन करूंगी आज उन्हें ,
दृढ़ संकल्प लेना सिखाते हैं,
हमें संस्कारों का महत्व सिखाते हैं,
भटके हुए हर रही को ,
सफलता का मार्ग दिखाते हैं,
हम में छुपे गुणों को तराशकर
हम पर हुनर का रंग चढ़ते हैं
हर शिक्षक खुद में एक संस्था है
जो देश का भविष्य बनाते हैं

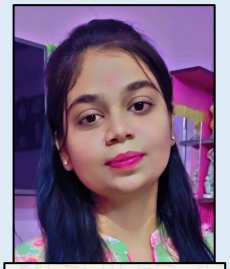

गामिनी जायसवाल
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष
ग्राम- अखरार

Science Rules The World

Everything in the world is because of science; this truth will be known by the subsequent lines,
Biology is narrated by Ecology where animal and plant cells have different morphology,
We came to world because of science, womb's warmth heartbeat's rhyme,
Cells divide, embryo grows, science nurtures life in its earliest prime,
A crossing of gametic cells and attributes from each parent makes a unique firm,
Biology narrates every breath we take, a story of life in every cell that makes,
From nutrient cycle flow to oxygen, carbon dance, life rhythm beats in an elegant trance.
Life's origin a mystery so grand, chemistry secrets in every land,
Atoms, molecules and chemicals bound, this is how life on earth found,
Living organism a complex form, chemistry's magic in every norm.
Gravitational force keeps us grounded, allow us to walk on land unbounded,
From satellites, cosmos, milky way, solar system beyond our sight,
Physics govern the skies, galaxies and universe delight.
Mathematics entwine a numeric trick, in which number is aligned in matrix,
Money's value in number we trust, mathematics guides the economic thrust,
A world of finance built on numeric might, mathematics empowers day and night.
Like butterflies' metamorphosis we change our form, from offspring to aging we transform,
The life cycle spins, whirls and fate, living, demise and revival is an endless state,
Every moment a puzzle of World's mystery arises,
That is only answered by science with wonder of surprises.

Dr. Archana Bhaskar
Asst. Prof. Zoology

दोस्ती

दोस्ती का रिश्ता सबसे अनमोल होता है। जीवन के बड़े से बड़े दुख भी हलके लगते हैं जब हमारे पास अच्छे मित्रों का साथ होता है। मित्रों के साथ बिताया गया समय कभी व्यर्थ नहीं जाता; वे हमारे जीवन में रंग भरते हैं और हमें सकारात्मक दिशा में प्रेरित करते हैं। खुशियों को दोगुना करते हैं और दुखों को कम कर देते हैं। सच्ची मित्रता विश्वास और समर्पण की बुनियाद पर आधारित होती है, जो हमें जीवन की हर कठिनाई में संबल देती है---नरेंद्र ध्रुव, सुबुद्धि यादव

नरेंद्र और सुबुद्धि हमारे कालेज के जय-वीरू

"तुम ईश्वर की संतान हो"

तुम हो कौन, मालूम है तुम्हें ? तुम ईश्वर की संतान हो।
फिर क्यों बोलते हो कि ये मैं नहीं कर सकता ?
तो करो ना, क्योंकि तुम ईश्वर की संतान हो।।
क्यों बोलते हो कि मैं असफल हो जाऊंगा या गिर जाऊंगा?
तो मेहनत करो ना, क्योंकि तुम ईश्वर की संतान हो।।
क्यों बोलते हो कि मैं निराशावादी या मार्ग विहीन हो जाऊंगा?
तो आशावादी बनो ना, क्योंकि तुम ईश्वर की संतान हो।।
क्यों सोचते हो कि दुनिया तुम पर हावी हो रही है?
तुम उन सब से ऊपर उठो ना, क्योंकि तुम ईश्वर की संतान हो।।
क्यों सोचते हो कि तुम हार जाओगे या भटक जाओगे ?
तुम मैदान में उतरो ना, क्योंकि तुम ईश्वर की संतान हो।।
क्यों गलत कर्म करते हो या बुरा क्यों सुनते हो ?
तो अच्छा कर्म करो ना, क्योंकि तुम ईश्वर की संतान हो ।।
क्यों सोचते हो कि तुम्हारा पतन हो जाएगा या अपयश हो जाएगा ?
तुम ईश्वर की शरण में आओ ना, क्योंकि तुम ईश्वर की संतान हो ।।

अवधेश जायसवाल
बी.एस.सी अंतिम वर्ष
ग्राम - कोदवा महंत

प्यारी मैम

जो गुमसुम रहते हैं उन्हें,
बोलना सिखा देती.....
जो मुस्कुराते नहीं उन्हें,
हंसना सिखा देती.....
जो कोयले की खान से,
हीरा निकाल देती....
जो हर परिस्थिति में लड़ना सिखा दे,
डरने और हारने से पहले,
कुछ करना सिखा दे...
जो करती सबके दिलों पर राज,
सभी जानते हैं जिसका नाम,
बच्चे हो या टीचर,,,,
जिनकी बातें हो जैसे औषधि,
वही तो है हमारी प्यारी मैम **"निधि"**

संतोषी तेवलकर
बी.एस.सी.अंतिम वर्ष
ग्राम - छिरहुटी

प्रकृति मां

पूजा राजपूत
बी.एस.सी तृतीय वर्ष
ग्राम - झाफल

हे मेरी प्रकृति मां
कली सी कोमल सूरत तेरी ,मन भंवरा को लुभा रही
आसमा में पूर्णमासी को ,मानो चांदनी शरमा रही
झरनों सी मुस्कान देखकर ,मन बावरा सा बहता है
तेरे काले बालों को देख ,आसमा से मेघ मानो कुछ कहता है
बिजली से चमक सूरत में ,आंखों से मोती झरती है
बसंत सा सुहावन मौसम ,मंद सुगंध पवन चलती है
नागिन सी सुंदर चाल देख तेरी ,लता बेल भी मचलती है
कोयल सी मीठी बोल सुनकर ,पतझड़ बसंत सी लगती है
आम के मौर बगिया पूरी महकाती है ,प्रत्येक ऋतु अपने आप पर नए-नए गीत सुनाती है
सस्य श्यामला वसुंधरा का ,श्रवण श्रृंगार कराती है
हे भूधर- अंबर नीर नयन सी,चंद्र किरण सी इझलाती है
प्रकृति के सुरमयता को देखकर मानो ,स्वर्ग धरती में नजर आती है

" तुम क्यु नही आते"

आंखों में तो पट्टी मेरी बंधी हैं न माधव...
तो तुम मुझे आकर क्यू नही ढूंढ लेते...
दोनो हाथ फैलाकर पकड़ना चाहु...
तो तुम मेरा हाथ क्यू नही पकड़ लेते...
बंसी बजाते हो सबको राह दिखाने...
तो मेरे लिए बंसी क्यू नही बजाते...
बहते हुए आंसुओ से पुकारु तुम्हे...
ओ माधव..तुम क्यू नही आते...
हमेशा सोचूं कि तू कैसा दिखता है...
वो श्याम सलोनी आंखें कितनी गहरी है...
अरे ओ माधव..
वो नयन दिखाने मुझे तुम क्यू नही आते...
तुम्हे नाचन का बड़ा शौक,
मुझ नाचन को न जाने...
मुझे नाच नाचने फिर तुम क्यू नही आते...
मुझे लगे बड़ी दूर बसत हो..
तभी बुलावन पे न आवे...
पर कहत सुना मैंने सबको रसिया...
हर सांस बसे मनभावे...
तुझ को जाने सब दुःख बिसारवे...
फिर भी रोऊँ सब दुखड़े सुना के...
अरे ओरे सखा तुम क्यू नही आते...
तुमको जो जाना सब भूले बैठी हूं...
सबसे छोड़ उम्मीदें तुमसे जोड़े बैठी हूं...
हे प्रिय फिर भी तुम नही आते...
मुझे तड़पा कर ये कैसा तड़पना तुम्हारा...
प्रेम तुमको भी मुझसे तो ये कैसा बिछड़ना हमारा...
बोलो न माधव मुझे यहां से ले जाने तुम क्यू नही आते

हरिता कश्यप
ग्राम- सरई पतेरा

पौधों का महत्व

हमें यह समझने की जरूरत है कि पेड़ सिर्फ प्रकृति का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे जीवन का आधार भी हैं। जब हम पेड़ों का संरक्षण करते हैं, तो हम न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध भविष्य भी सुनिश्चित करते हैं। इसलिए, पेड़ों की अहमियत को पहचानें और उन्हें बचाने की दिशा में कदम बढ़ाएं, ताकि हमारा ग्रह हमेशा हरा-भरा और समृद्ध बना रहे।

पेड़ न काटो,इन्हे जीने का अधिकार है,आखिर इन्ही से तो संसार है

नन्हा पौधा

एक बीज था गया बहुत ही गहराई में बोया,
उसी बीज के अंतर में था नन्हा पौधा सोया।
उस पौधे को मंद पवन ने आकर पास जगाया,
नन्हीं नन्हीं बूंदों ने फिर उस पर जल बरसाया।
सूरज बोला "प्यारे पौधे निंद्रा दूर भगाओ,
अलसाई आंखें खोलो तुम उठ कर बाहर आओ।
आंख खोल कर नन्हें पौधे ने तब ली अंगड़ाई,
एक अनोखी नई शक्ति सी उसके तन में आई।
नींद छोड़ आलस्य त्याग कर पौधा बाहर आया,
बाहर का संसार बड़ा ही अदभुत उसने उसने पाया।

डॉ. गंगा गुप्ता
वनस्पति शास्त्र

नारी शिक्षा के जनक माता सावत्री बाई फुले"

ज्ञान की देवी भारत की पहली महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के संतारा जिले के नायगांव में हुआ था। सावित्री बाई फूले को भारत के प्रथम महिला शिक्षिका होने का श्रेय जाता है। उन्होंने यह कठिन कार्य उस समय किया जिस समय महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना तो दूर की बात थी उनका घर से निकलना दुभर था। महिलाओं को चुल्हे–चौकी तक सीमित कर दिया गया था। माता सावित्री बाई फूले ने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फूले से शिक्षा ग्रहण कर भारत की प्रथम महिला शिक्षिका बनी और अपने पति महात्मा ज्योतिबा फूले के सहयोग से सन् 1848 में पुणे में भारत में पहला बालिका शिक्षा और महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सावित्री बाई न केवल शिक्षिका थी बल्कि सामाज की विषमता को दूर करने के लिए अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने बालविवाह, सतीप्रथा और जातिवाद के खिलाफ आवाज उठाई एवं विधवा पुनर्विवाह को समर्थन किया। सावित्री बाई फूले ने महिलाओं के लिए शिक्षा और समानता की वकालत की। स्वतंत्रता से पहले महिलाओं के साथ काफी भेदभाव होता था, उन्हें पढ़ने–लिखने का अधिकार नहीं था। जब सावित्री बाई फूले स्कूल पढ़ाने जाती थी तो कुछ कट्टरपंथी लोग उसके ऊपर गोबर एवं पत्थर मारते थे फिर भी माता सावित्री बाई ने हिम्मत नहीं हारी ओर वे महिलाओं को निरंतर पढ़ाना जारी रखी। माता सावित्री बाई फूले ने सामाजिक बुराईयों को दूर करने में अपना अहम योगदान दिया। सावित्री बाई एक कवियित्री भी थी और उन्होंने मराठी में कई कविताएं लिखी। उनके काव्य संग्रह में "काव्य फूले" और "सुबोध रत्नाकर" प्रसिद्ध है। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर सत्यशोधक समाज की स्थापना की जो बिना पुजारी और दहेज के विवाह आयोजित करता था। सावित्री बाई फूले की निधन 10 मार्च 1897 को पुणे में हुआ।

पी.पी.लाठिया
ग्रंथपाल

♣ माता सावित्री बाई फूले की अनमोल विचार ♣

1. शिक्षा स्वर्ग का द्वार खोलती है, स्वयं को जानने का अवसर देती है।
2. स्वाभिमान से जीने के लिए पढ़ाई करो पाठशाला ही इंसानों की सच्चा गहना है।
3. बेटी के विवाह पहले उसे शिक्षित बनाओं ताकि आसानी से अच्छे बुरे में फर्क कर सके।
4. स्त्रियां केवल घर और खेत में काम करने के लिए नहीं बनी है,
   वह पुरूषों से बेहतर कार्य कर सकती है।

मैं छत्तीसगढ़ के लईका

हमर भाखा हमर बोली, गुरतुर हमर बानी हे
हमर छत्तीसगढ़ महतारी के इहु इक चिनहारी हे,
तोर भुइयां के खाय हन,चाऊर अऊ दार ओ, अऊ सबु झन पिये पानी हन,
आनी बानी के भाजी भाठा,अलकरहा हे अम्मठ जिमिकांदा,
पताल झोझो के बात का कहों, तीखुर के अपन कहानी हे,
ठेठरी, खुरमी, चीला, फरा, अरसा, बरी, अऊ बासी इहि छत्तीसगढ़ महतारी के अभिमान हे,
सरगुजा ले बस्तर अऊ रायगढ ले राइपुर कोनों डहर, ते चल दें संगी, हमर रंग रंग के चिनहारी,
मोला छत्तीसगढ़िया कहलए मा लाज नहीं लगथे, एकर माटी मा मोर कलेजा अऊ परान हा बसथे,
मैं छत्तीसगढ़ के लईका एकर मोला अभिमान हे।

Dr. Archana Bhaskar
Asst. Prof. Zoology

भारतीय नौसेना

आधुनिक भारतीय नौ सेना की नीव 17वीं शताब्दी में रखी गई थी ,जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने एक समुद्री सेना के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना की और इस प्रकार और इस प्रकार 1934 में रॉयल इंडियन नेवी की स्थापना हुई। भारतीय नौ सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और यह मुख्य नौ सेना अधिकारी - एक एडिमरल के नियंत्रण में होता है। भारतीय नौ सेना 3 क्षेत्रों की कमांडों के तहत तैनात की गई है, जिसमें से प्रत्येक का नियंत्रण एक फ्लैग अधिकारी द्वारा किया जाता है। पश्चिमी नौ सेना कमांड का मुख्यालय अरब सागर में मुम्बई में स्थित है; दक्षिणी नौ सेना कमांड केरल के कोच्चि (कोचीन) में है तथा यह भी अरब सागर में स्थित है; पूर्वी नौ सेना कमांड बंगाल की खाड़ी में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्नम में है।

नंदिनी साहू
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
ग्राम -भीमपुरी

भारतीय वायु सेना

भारतीय वायु सेना की स्थापना 8 अक्तूबर 1932 को की गई और 1 अप्रैल 1954 को   एयर मार्शल सुब्रोतो मुखर्जी, भारतीय नौ सेना के एक संस्थापक सदस्य ने प्रथम भारतीय वायु सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला। समय बितने के साथ भारतीय वायु सेना ने अपने हवाई जहाजों और उपकरणों में अत्यधिक उन्नयन किए हैं और इस प्रक्रिया के भाग के रूप में इसमें 20 नए प्रकार के हवाई जहाज शामिल किए हैं। 20वीं शताब्दी के अंतिम दशक में भारतीय वायु सेना में महिलाओं को शामिल करने की पहल के लिए संरचना में असाधारण बदलाव किए गए.

धनेश्वरी कश्यप
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
ग्राम -भीमपुरी

भारतीय थल सेना

जैसा कि हम जानते हैं भारतीय सेना ब्रिटिश उपनिवेशवाद से स्वतंत्रता पाने के बाद देश में प्रचालनरत हुई। भारतीय थल सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और यह चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस), जो समग्र रूप से सेना की कमान, नियंत्रण और प्रशासन के लिए उत्तरदायी है। सेना को 6 प्रचालन रत कमांडों (क्षेत्र की सेनाएं) और एक प्रशिक्षण कमांड में बांटा गया है, जो एक लेफ्टिनेंट जनरल के नियंत्रण में होती है, जो वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (वीसीओएएस) के समकक्ष होते हैं और नई दिल्ली में सेना मुख्यालय के नियंत्रण में कार्य करते हैं।

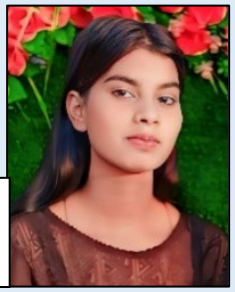

दामिनी सिकलवारे
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
ग्राम-लोरमी

मनियारी की आत्मकथा

लोरमी ब्लाक जिला मुंगेली स्थित ग्राम सिहावल नामक एक गांव है वहां एक परिवार रहता था जिसमें सात भाई-भाभियां और उनकी एक मनियारी नाम की छोटी बहन थी। मनियारी का विवाह उनके भाइयों द्वारा किया गया और दामाद को अपने ही घर में घर जमाई के रूप में रहने के लिए कहा गया,और वे सभी साथ रहने लगे। गांव में उनका एक खेत था,बारिश के समय खेत में पानी रुकता नहीं था और मेढ़ टूट जय करता था, जिससे सभी भाई परेशान थे। एक दिन सातों भाई - भाभियां योजना के तहत घर जमाई को खेत ले गए और फूटे हुए मेढ़ में लेटने के लिए कहा,जिससे कि पानी रुक जाए,जिसके पश्चात वे सभी मिलकर उसके ऊपर मिट्टी डालने लगे और उसे वही गाड़ दिया।

रात होने के बाद जब सभी लोग घर लौटे तो अपने पति को न देखकर मनियारी पूछी कि मेरे पति क्यों नहीं आए ? भाइयों ने जवाब दिया कि तेरा पति तो बहुत पहले ही घर के लिए निकल गया था। यह सब सुनकर मनियारी घबरा गई और अपनी पति को ढूंढने के लिए रात के अँधेरे में ही घर से खेत की ओर निकल गई ,बहुत देर तक ढूंढने के बाद भी पति को न पाकर मनियारी जोर जोर से रोने लगी और आकाश की ओर देखकर आवाज लगाई कि ....**यदि आप सच में मेरे पति हैं तो मुझे कुछ पहचान दिखाइए।**

तब बिजली की तेज गर्जना हुई और बिजली के प्रकाश से मेढ़ में हाथ दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर मनियारी अत्यंत दुखी हुई और अब मैं आपके बिना नहीं रह सकती कहते हुए उसी मेढ़ में कूद गई, जिससे मेढ़ टूट गया और खेत से पानी की अविरल धारा बहने लगी, जिससे एक नदी का उद्गम हुआ, जिसे हम **मनियारी नदी** के नाम से जानते है।

गांव वालो का कहना है की की आज भी मनियारी की चीखे सुनाई देती है

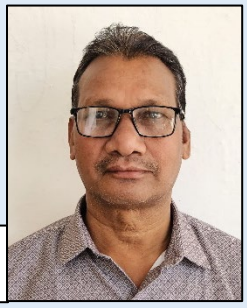

एन.एस.परस्ते
अर्थशास्त्र

समय का महत्व

The Value of Time

समय के महत्व को समझने के लिए हमें इसके गुणों पर गौर करना होगा। समय का प्रवाह निरंतर है; यह किसी का इंतजार नहीं करता। चाहे अमीर हो या गरीब, शिक्षित हो या अशिक्षित, समय हर किसी के लिए समान होता है। समय के प्रति जागरूक लोग अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं और सफल होते हैं, जबकि समय की अनदेखी करने वाले अक्सर पछताते हैं, समय की सही व्यवस्था न केवल हमारे जीवन को व्यवस्थित बनाती है, बल्कि हमें अपने जीवन के उद्देश्यों को भी पूरा करने में सहायक होती है। यह हमें एक स्थिरता और संतुलन प्रदान करती है जो जीवन के हर क्षेत्र में काम आता है। इस प्रकार, समय की सही व्यवस्था और इसे एक दिनचर्या का हिस्सा बनाना जीवन को संतुलित बनाने का महत्वपूर्ण साधन है।

समय एक मूल्यवान संसाधन है जो हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समय अस्थायी होता है और अपने दौरान हमें नयी सम्भावनाएं और अवसर प्रदान करता है। समय का सदुपयोग करने से हम अपनी कार्यक्षमता में सुधार करते हैं और सफलता की ओर अग्रसर होते हैं|

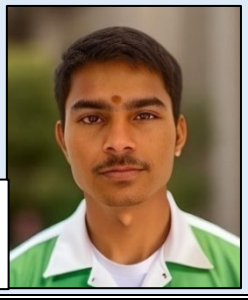

नंद किशोर साहू
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
ग्राम-भीमपुरी

सामुदायिक भागीदारी से जल संरक्षण

पृथ्वी पर जल है इसलिए जीवन है। इसकी उपलब्धता और सतत प्रबंधन के बिना विश्व सतत विकास लक्ष्य 6 को प्राप्त नही कर सकता। पानी का महत्व समझ कर इसका सही ढंग से उपयोग और प्रबंधन किया जाए हो सभी मनुष्यों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध है। अगर हमने जल संसाधनों के बारे में देर की तो गरीबी उन्मूलन भोजन और पोषण स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, ऊर्जा संवहनीय शहर, आर्थिक विकास पर्यावरण आदि से संबंधित अन्य सतत विकास लक्ष्य हासिल करने के प्रयास भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते है।

छत्तीसगढ़ राज्य में जल स्तर में बहुत गिरावट देखने को लगातार मिल रहा है जिससे आने वाले भविष्य में जल की कमी को रोकने के लिए जल संरक्षण के छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा विशेष योजना लाकर लोगों को प्रोत्साहित करे। जिससे जन जीवन सामाजिक,आर्थिक रूप से प्रभावित हुए बिना इसका अच्छा से पहल हो सके।

भारत के संविधान के अनुसार जल राज्य का विषय है इसलिए जल संसाधनों की प्रभावी ढंग से बढ़ाने, संरक्षित करने और उनके प्रबंधन में संबंधित प्राथमिक जिम्मेदारी राज्यों की है। केंद्र सरकार अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय सहायता देकर ऐसे प्रयासो का का समर्थन करती है। वर्तमान विकास संबंधी विमर्शो ने विभिन्न विकास हस्तक्षेपों की भागीदारी और स्वामित्व में समुदाय की भूमिका के महत्व पर बल दिया है। सरकार के द्वारा अनेक योजनाए संचालित है जिससे जल संरक्षण हो सके जैसे –

1. नमामि गंगे कार्यक्रम
2. राष्ट्रीय नयी संरक्षण योजना
3. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना
4. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
5. अटल भुजल योजना
6. जल शक्ति अभिमत : कैच द रन

पूर्णेश कुमार जायसवाल
सहायक वर्ग -03

"पुरुष-नि:स्वार्थ छाया"

दिलीप कुमार साहू
बी.एस.सी तृतीय वर्ष
ग्राम-मुछेल

वो जो हमेशा चुप रहता है ,ना सिकवा ना कोई गिला कहता है.
दुनिया उसे पत्थर सा समझ लेती है, पर भीतर कहीं वो भी तो रो लेता है..
पिता बन कर छांव देता है, पति बनकर साथ देता है
भाई बनकर रक्षा करता है, बेटा बनकर सब कुछ सहता है..
कभी थक भी जाता है वो , पर रुकता नहीं जानता है वो
कहता नहीं पट टूट भी जाता है, फिर भी हर दर्द को पी जाता है..
कभी बना राम, कभी बना कृष्ण,कभी बौद्ध सा त्यागी, कभी अर्जुन यशस्वी
हाथों में है शक्ति अपार फिर भी दिल में हो दया का सार
नर भी एक भावना है जो हर रिश्ते में छाया है
अगर देख सको तो देखो उसके मौन में भी प्रेम समाया है..

जीवन जीना एक कला है

मानव जीवन को संचालित करने वाले क्रिया-कलापों में देह, इंद्रियां, मन व बुद्धि-विवेक का प्रमुख स्थान है। मानव के जन्म के अवसर पर शिशु का मन निर्मल होता है। उसे संस्कारों द्वारा सही या गलत किसी भी राह की ओर मोड़ा जा सकता है। एक प्रकार से मानव का व्यक्तित्व कोरी स्लेट की तरह होता है, जिस पर संस्कार की भाषा का आलेखन होता है। ये संस्कार ही व्यक्ति की सफलता व असफलता के मापदंड होते हैं। अच्छे गुणों का आचरण करके इस अनगढ़ सादे सरल जीवन को सुगढ़ता प्रदान कर उत्तम बनाया जा सकता है। इसी प्रकार बुरी बातों की ओर आकृष्ट होकर आचरण निम्न स्तर के हो जाने पर मनुष्य पतन के गर्त तक पहुंच सकता है। वास्तव में जीवन जीना एक कला है।

"जीने की कला का नाम ही जीवन है।एक ऐसी कला जिसमें सौंदर्य हो, शांति हो, सत्य हो, शिवत्व हो"

मंजूश्री गौतम
बी.एस.सी तृतीय वर्ष
ग्राम - बरगन

बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर भविष्य के भारत के निर्माता, महान विधिवेत्ता, समाज सुधारक और भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू नगर में एक दलित परिवार में हुआ था।

उन्होंने बॉम्बे विश्वविद्यालय, कोलंबिया यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त किया। डॉक्टर अंबेडकर के पास 32 अलग अलग विषयों में डिग्रियां थीं। इसमें से प्रमुख रूप से उन्हें तीनों ही मुख्य धाराओं विज्ञान, कला और वाणिज्य तीनों ही विभागों में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्रियां प्राप्त थीं।

डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों की स्थापना हेतु ऐतिहासिक योगदान दिया।उन्होंने भारत के संविधान में ऐसे प्रावधानों को स्थान दिया, जो हर नागरिक को समान अवसर, न्याय, शिक्षा और सम्मान का अधिकार प्रदान करते हैं। उनके प्रयासों से अस्पृश्यता उन्मूलन, आरक्षण नीति और सामाजिक समरसता की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। उन्होंने **'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय'** के सिद्धांत को अपनाया और जीवन भर समता और बंधुत्व की भावना को बढ़ावा दिया।

बाबासाहेब अंबेडकर न केवल संविधान निर्माता थे, बल्कि वे कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले प्रेरणास्रोत भी थे। उनका जीवन आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रकाशपुंज है।

"जो अपने अधिकारों के लिए नहीं लड़ता, वह दूसरों के अधीन रहता है"

मनीषा चतुर्वेदी
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष
ग्राम -डुमरहा

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद

प्रस्तावना

नक्सल आंदोलन छत्तीसगढ़ के भविष्य के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। यह समस्या शासन, राजनीतिक संस्थाओं और सामाजिक-आर्थिक ढांचे की कमजोरियों को स्पष्ट करती है। वर्तमान में, नक्सलवाद छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह न केवल अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और विदेशी संबंधों को प्रभावित करता है, बल्कि नागरिकों की भलाई और कानून के शासन पर भी विपरीत असर डालता है। इस जटिल समस्या से प्रभावी ढंग से निपटना अत्यंत आवश्यक है।

पृष्ठभूमि

'नक्सलवाद' के नाम से विदित पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गाँव से उपजे वामपंथी उग्रवाद का प्रसार 11 राज्यों तक है, जिसे कथित तौर पर 'लाल गलियारा या रेड कॉरिडोर' कहते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक सरकार को 'सशस्त्र क्रांति' के माध्यम से पदच्युत कर स्वयं की सत्ता स्थापित करना है।

प्रमुख कारण

- भूमि सुधारों की विफलता तथा भूमि का असमान वितरण होना।
- सरकारी विकास परियोजनाओं के प्रति जनजातीय क्षेत्रों में संसाधनों के दोहन के कारण स्थानीय निवासियों में रोष का होना।
- 'जल-जंगल-ज़मीन' इन विद्रोहों का मुख्य कारण रहा है। जिसके अंतर्गत संसाधन-समृद्ध भूमि पर अवैध अतिक्रमण तथा भूमि अधिकारों से वंचना प्रमुख है।

नक्सलवाद माओवाद उन्मूलन के लिये सरकार की रणनीति

- बजट सत्र के पहले दिन छत्तीसगढ़ विधानसभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सरकार की रणनीतिक सोच, सुरक्षा बलों की बहादुरी और जनता के सहयोग के कारण छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है।
- सरकार ने क्षेत्र पर नियंत्रण के प्रयास तेज़ कर दिये हैं, जिसके परिणामस्वरूप पिछले 14 महीनों में 300 से अधिक नक्सलियों का सफाया हो गया है।
- इसके अतिरिक्त, **985** नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है**,** सुरक्षा बलों ने **1,183** उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उपलब्धियाँ :

- पहली बार माओवाद प्रभावित 26 गाँवों में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया।
- सुकमा के पेंटाचिमाली, केरलापेन्डा, दुलेड़, सुन्नम गुडा और पुवर्ती सहित कई गाँवों ने पहली बार **त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों** में भाग लिया।
- दंतेवाड़ा ज़िले के पोटाली गाँव में 19 वर्षों के बाद स्वास्थ्य केंद्र का संचालन फिर से शुरू हुआ।

पुष्पराज श्रीवास
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
ग्राम-लोरमी

आजादी

पंछी है कैद अगर, तो उड़ने में कर मदद तू।
रात है काली अगर, दिया जलाकर रौशन कर तू।
बीत गई कई साल रूढ़िवादी विचारों में उलझ कर,सुलझा मन के भाव तू।
औरतों,आदमी या हो कोई बच्चा, सबके जीवन का कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी, आगे बढ़ विजई राह पर।
उन वीरों ने क्या पाया,
अगर तू अब भी डर में खोया।
उठ जा तू , छू ले आसमान।
आजादी पे है, सबका हक

मनीष कश्यप
राजनीति विभाग

स्त्री

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का मान तुम रखना,
बस इन दो पंक्तियों में सिमट कर रह जाती हूं,
क्योंकि मैं स्त्री हूं हर बार अपने आंसू छुपाती हूं,
इस समाज की चुप्पी बस आज नहीं चाहिए,
आखिर क्यों गलत होती है स्त्री ये आज मुझे दिखलाइये ये,
आज मुझे दिखलाइये ,
जब एक अजनबी संग अनजान घर भेज दी जाती हूं,
दहेज देकर भी मैं सम्मान उसका कराती हूं फिर क्यों,
दहेज खत्म होते ही जिंदा जला दी जाती हूं,
हां क्योंकि मैं स्त्री हूं हर बार अपने आंसू छुपाती हूं,
क्यों हर बार मैं निर्भया और वह 2 साल की बच्ची बन जाती हूं,
जो चीख चीखकर कहती थी,
छोड़ दो मुझे मैं उम्र से अभी कच्ची हूं मैं उम्र से अभी कच्ची हूं,
हां मैं स्त्री हूं हर बार अपने आंसू छुपाती हूं।

आस्था परिहार
बी.एस.सी अंतिम वर्ष
ग्राम-लोरमी

गुल की कलियां

गुल की कलियाँ
गंगा,यमुना की जलधारा,
ज्यो भारत की अश्रुधारा,
छोटी छोटी बच्चियां,
जैसे गुल की कलियाँ,
पर,,,
आज भारत माता की ये ,
,,,,गुल की कलियाँ,,,
रोती हैं सिसक सिसक कर,,,
दरिंदे इतने यहाँ पर,,
जो नोच खा रहे,,
,,,,,इनकी जिंदगियां,,,
हर रोज भारत की बच्चियां,,
भयभीत,,डरी,,सहमी,,,
क्यो बन रहे,,,भारत के सुसंस्कृत,,
,,,बस दरिंदे और वहशी,,,
क्या यही है अब भारत की तस्वीर,,,,
क्या ऐसे में बदलेगी भारत की तकदीर,,
आखिर कबतक,,
भारत की गंगा यमुना की जलधारा,,
बनकर बहेगी अश्रुधारा,,,,।

पानी

पानी ने अपना रंग दिखलाया
दुनिया को ये पैगाम सुनाया
बहुत कर ली अपनी मनमानी
अब सुनो मेरी कहानी
योग किए रोग किए और किये दुरुपयोग
मेरे संवर्धन के लिए कभी न किए जोग
खर दूषण को अब तक ढ़ोऊ
समस्याओं को कब तक रोऊ
बन गया हूं मैं बेबस लाचार
जागो और करो मेरा उपचार
बनाओ मुझे स्वच्छ और निर्मल
बहू मैं उच्छल सतत अविरल।।

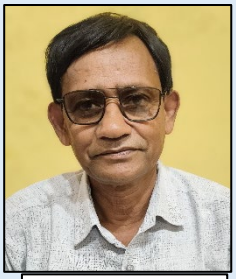

आर.के. श्रीवास्तव
सहायक वर्ग-02

डॉ. एन.के.सलूजा
हिंदी विभाग

संस्था में प्रबंधकीय कौशल

किसी भी संस्था के सफल संचालन के लिए प्रबंधकीय कौशल का अत्यंत महत्व होता है। प्रबंधन केवल संसाधनों का नियोजन और नियंत्रण ही नहीं, बल्कि कर्मचारियों के साथ सामंजस्य, समय का उचित उपयोग, और लक्ष्यों की कुशल प्राप्ति की प्रक्रिया है। एक कुशल प्रबंधक संस्था की गतिविधियों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने में सक्षम होता है।

प्रबंधकीय कौशल तीन प्रमुख प्रकार के होते हैं: तकनीकी कौशल, जिससे प्रबंधक विशेष कार्यों को समझता और नियंत्रित करता है; मानव संसाधन कौशल, जिससे वह लोगों के साथ संवाद, सहयोग और नेतृत्व करता है; तथा वैचारिक कौशल, जिससे वह संस्था के दीर्घकालिक लक्ष्यों की योजना बना पाता है।

एक संस्था में प्रबंधकीय कौशल की आवश्यकता इसलिए होती है क्योंकि यह कार्यों के संतुलन, संसाधनों के प्रभावी उपयोग, समय प्रबंधन और कर्मचारियों में प्रेरणा लाने में सहायक होता है। विशेषतः जब संस्था विभिन्न चुनौतियों या परिवर्तनों का सामना कर रही होती है, तब एक सक्षम प्रबंधक उसका समाधान सुझाता है और संस्था को आगे बढ़ाता है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि प्रबंधकीय कौशल संस्था की रीढ़ की हड्डी के समान है। इसके बिना न तो संस्था का विकास संभव है और न ही कार्यों की दक्षता। एक प्रभावी प्रबंधक ही संस्था को सफलता की ओर अग्रसर कर सकता है।

डॉ. राधेश्याम साहू
विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग

एक व्यक्ति को सफल क्या बनाता है?

सफल होना बहुत ही व्यक्तिपरक है और हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो सकता है। इसलिए, यहाँ कुछ सामान्य कारक दिए गए हैं जो किसी व्यक्ति की सफलता में योगदान करते हैं।

- **कड़ी मेहनत और दृढ़ता:** सफलता के लिए प्रयास और समर्पण की आवश्यकता होती है और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी होनी चाहिए।
- **स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना:** किसी के लिए विशिष्ट और प्राप्य लक्ष्य रखना बहुत महत्वपूर्ण है जो दिशा और प्रेरणा प्रदान करेगा।
- **नेटवर्किंग:** व्यक्ति में संबंध बनाने की क्षमता होनी चाहिए और साथ ही आने वाले अवसरों के लिए खुला रहना चाहिए।
- **समय प्रबंधन:** उत्पादकता और प्रगति के लिए समय और प्राथमिकताओं का प्रभावी प्रबंधन आवश्यक है।
- **आत्म-अनुशासन:** व्यक्ति को बहुत अधिक ध्यान केन्द्रित करना चाहिए तथा आत्म-नियंत्रण बनाए रखना चाहिए, जिससे उसे दीर्घकालिक लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी।
- **वित्त का प्रबंधन:** वित्त की बुनियादी समझ होना और उसे बुद्धिमानी से प्रबंधित करना भी वित्तीय सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

गुरुदेव निषाद
वाणिज विभाग

पोषक शाला अभियान

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को **राष्ट्रीय शिक्षा नीति** की जानकारी देने के लिए "**पोषक शाला अभियान**" का आयोजन किया गया, जिसके तहत महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक अपने आवंटित स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में गहराई से जानकारी एवं महाविद्यालय में दीक्षा आरंभ की जानकारी विस्तृत रूप से दिए।

//वृद्धा आश्रम//

भारतीय समाज की पहचान उसकी संस्कृति की सुदृढ़ता है जो **राम** एवं **श्रवण कुमार** जैसे पुत्रों का इतिहास है, जो माता – पिता की इच्छा को आज्ञा मानकर अपना सम्पूर्ण जीवन अर्पण कर दिया, ऐसी संस्कृति में जन्म लेने के बाद भी भारतवर्ष में वृद्धावस्था की समस्या यह स्पष्ट करती है कि हमारा सांस्कृतिक क्षरण हो चुका है। पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव हमारे जीवन पर इतना पड़ चुका है कि हम अपने परिवार में तथा समाज में वृद्धों को यथोचित सम्मान तथा समुचित स्थान नहीं प्रदान कर पा रहें है। भारत में वृद्धावस्था की समस्या एक सार्भौमिक स्वरूप ग्रहण कर चुकी है क्योकि किसी न किसी रूप में आज यह समस्या समाज के ज्यादातर परिवारों में देखी जा सकती है जिसका प्रमुख कारण दो पीढ़ियों के मध्य विभिन्न मुद्दो पर पाया जाने वाला मतभेद या टकराव है, क्योंकि सामाजिक संरचना में होने वाले परिर्वतनों के साथ युवा तो स्वयं को सरलता से परिवर्तित कर लेती है, किन्तु हमारी वृद्ध पीढ़ी अपने परम्परागत मूल्यों के साथ किसी प्रकार का समझौता करना नहीं चाहती, वह ऐसा महसूस करती है कि आज का युवा वर्ग या युवा पीढ़ी गलत मार्ग पर चल रही है जिन्हे वह सुधारना चाहती है और यही सुधारवादी प्रवृत्ति उनमें संघर्ष को जन्म देती है।

इसके अतरिक्त यह देखा जाय तो कहीं न कहीं रिश्तों की मान्यता, उनकी मर्यादा, निष्ठा तथा पारम्परिक विश्वास में कमी हो गयी है आज की युवा पीढ़ी दादा–दादी, चाचा–चाची, आदि जैसे महत्वपूर्ण रिश्तों में भी रूचि नही रखती। आज की युवा पीढ़ी वृद्धों के अनुभवों से कुछ सीखना नहीं चाहती **"प्रयोग करो और फेक दो"** की नीति अपनाते हुए आज युवा वर्ग अधिकतर स्वयं अपने आपको अलग रखकर मृग मारीचिक सदृश्य, सुख – चैन का जीवन व्यतीत करना चाहता है आज बच्चे वृद्ध माता – पिता ने अपना सब कुछ न्यौछावर कर अपनी संतान का लालन – पालन, संवर्धन व विकास किया हो और उनके वृद्ध हो जाने पर वही संतान उन्हे भार समझे तो ऐसी स्थिति में वृद्धों की पीड़ा का सहज की अनुमान लगाया जा सकता है।

निष्कर्ष एवं सुझाव :– भारतीय समाज की परम्परा और इसके इतिहास से पता चलता है कि प्राचीनकाल में ''वृद्धों'' की समाज में अत्यन्त उच्च स्थिति थी, उस समय वृद्धावस्था की न तो कोई समस्या थी और न ही वृद्धावस्था स्वयं में एक समस्या, किन्तु संयुक्त परिवार के विघटन के साथ – स्थिति परिस्थितियां बहुत तेजी से बदली और संयुक्त परिवार बहुत तीव्र गति विघटित होकर एकल परिवारों मे परिवर्तित हो गए, एकल परिवारों में पति – पत्नी और अविवाहित बच्चे रहते है, ऐसी स्थिति में वृद्धा लोग कहां जाये? जिस पीढ़ी ने अपने जीवन का उर्जावान समय परिवार समाज तथा राष्ट्र के विकास एवं समृद्धि के लिए अर्पित कर दिया, वही आज उपेक्षा, अमर्यादित आचरण का दंश झेल रही है। अतः इसके लिए सरकार को इस सम्बन्ध में बनाये गये कानूनों का सख्ती से लागू किये जाने की नितान्त आवश्यकता है। साथ ही साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा योजनाऐं लागू की जाये, ताकि वह किसी पर आश्रित न रह सकें।

कुछ पंक्तियां बुजुर्गो द्वारा आज के दौर में सुनने को मिलता है :– एक माता पिता से 4 बच्चे पाले जा सकते है किन्तु उन 4 बच्चों से 1 माता पिता नही पाला जा सकता। जिस दिन प्रत्येक बच्चें अपने माता पिता को अपने बच्चे जैसा पालना शुरू कर देंगे उस दिन वृद्धा आश्रम का अस्तित्व ही खत्म हो जायेगा।

और क्या लिखूं माता – पिता के बारे में उन्होंने खुद मुझे लिखा है .....

धन्यवाद!

अभिशाप है या वरदान

वृद्धाश्रम

शिव कुमार यादव
कंप्यूटर ऑपरेटर

आज की नारी

मैं हूँ आज की नारी, मुझसे सुनो मेरी कहानी,
स्वतंत्र और साहसी, शिक्षित और जागरूक, मजबूत और आत्मविश्वासी,
प्रेम और करुणा से भरपूर, मैं हूँ आज की नारी, तुम भी सुन लो मेरी कहानी,
जरूरत पड़ने पर बन जाती हूं चिंगारी, मेरा मौन को ना समझो तुम कामजोरी,
मेरे वाचन में आग है, तूफान है, जिद्ध में आ जाए तो, अखिल विश्व को भारा देती पानी,
लेकिन मेरा स्वभाव नहीं है तोड़ना, मैं प्रेम और स्नेह की वर्षा करती,
संसार को सुख और शांति देती, मैं हूँ आज की नारी, मेरी कहानी, सुनो मेरी जुबानी,
आज भी पुरुष प्रधान समाज में अपना अस्तित्व ढूंढ रही, अपने अधिकारों के लिए लड़ रही,
तकलीफों को सहते हुए, हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है,
जीना का मुझको भी अधिकार है, मुझे समझो तो मैं ईश्वर का अवतार,
और न समझो तो माँ दुर्गा और काली,
मुझे गर्व है कि मैं जीवन की रचयिता, मेरे एक ही अवतार में कई रूप हैं,
मैं हूँ आज की नारी, मेरी बस इतनी ही कहानी।

Dr. Archana Bhaskar
Asst. Prof. Zoology

"क्यों किस्मत को दोष देता है"

है तेरे अंदर साहस भरा, है तेरे अंदर धैर्य भरा, तू पीछे क्यों हटता है ?
है आन तुझे इस भारत की, "कर्म कर" क्यों किस्मत को दोष देता है।।
है तेरे अंदर मां की शक्ति, पिता का आदर्श भरा, तू मुंह क्यों छुपाता है?
है आन तूझे इस रिश्ते की, "संघर्ष कर" क्यों किस्मत को दोष देता है।।
है तेरे अंदर विवेकानंद की निष्ठा, अंबेडकर का संघर्ष भरा, तू हार क्यों मानता है ?
है आन तुझे इस बातों का "ज़िद्द कर" क्यों किस्मत को दोष देता है।।
तू सीता के त्याग से सीख, राधा के प्रेम से सीख, तू अफसोस क्यों करता है?
है आन तुझे इन भावों का, "प्राप्त कर" क्यों किस्मत को दोष देता है।।
है तेरे अंदर भगत सिंह की वीरता, सुखदेव का जुनून भरा, तू निर्बल क्यों होता है ?
है आन तुझे इन बलिदानों का, "बुराइयों का त्याग कर" क्यों किस्मत को दोष देता है।।
तू राम के मर्यादा से सीख, अर्जुन के सारथी से सीख, तू घबरा क्यों जाता है?
है आन तुझे इन अवतारों की, "आगे बढ़" क्यों किस्मत को दोष देता है।।
तू लक्ष्मी बाई के युद्ध से सीख, महाराणा के चेतक से सीख, तू भाग क्यों जाता है ?
है आन तुझे तेरे धर्म का, "धैर्य रख" क्यों किस्मत को दोष देता है।।

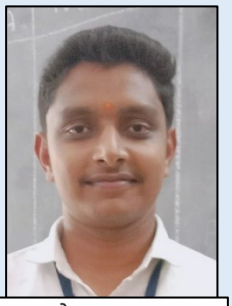

अवधेश जायसवाल
बी.एस.सी अंतिम वर्ष
ग्राम - कोदवा महंत

हमर छत्तीसगढ़ अइसन रहय

जिंहा के जम्मो पढ़इया संगवारी मन ल ,रहय जम्मो सुविधा जी,
अऊ खेल-कूद, कढ़ाई-बुनाई गीत अऊ नृत्य करइया संगवारी मन बर,
रहय अलग से महाविद्यालय जी,
हमर छत्तीसगढ़ अइसन रहय,
जिंहा के अस्पताल म, रहय 24 घंटा डॉक्टर जी,
अऊ पाठशाला म, रहय सब विषय के गुरूजी ,
जेखर पढाय से सब हो जाय मगन जी ,
जिंहा रहय किसान मन के,दुःख पीरा के चिन्हारी जी ,
अऊ रहय छोट छोट लइका मन बर आंगनबाड़ी जी,
जिंहा के सहाईका अऊ मेडम , समझए अपन जिम्मेदारी जी,
जिंहा के रहईया दीदी महतारी मन ला, मिलय प्रशिक्षण सरकारी जी,
जे मन देवय हमन ला प्रशिक्षण सरकारी,
अऊ रहय जम्मो क्षेत्र म ,आगे बढे के मौका बड़े भारी जी,
अऊ रहय खुशहाली अऊ समृद्धि जी,
अइसन रहय हमर छत्तीसगढ़ महतारी जी,

संतोषी तेवलकर
बी.एस.सी.अंतिम वर्ष
ग्राम - छिरहुटटी

बचपन

एक बचपन का जमाना था,
जिसमें खुशियों का खजाना था,
चाहत चांद को पाने की थी,
पर दिल तितली का दीवाना था,
न खबर थी सुबह की,
ना शाम का ठिकाना था,
थक हार के स्कूल से आना,
उसके बाद भी खेलने जाना,
परियों का फसाना था,
बारिश में कागज की कश्ती थी,
हर मौसम सुहाना था,
हर खेल में साथी थे,
हर रिश्ता निभाना था,
गम की जुबान ना होती थी,
ना जख्मों का पैमाना था,
ना रोने की वजह थी,
ना हंसने का बहाना था,
क्यों हो गए हम इतने बड़े,
इससे अच्छा तो वह बचपन का जमाना था |

मोर गांव के नइहे चिनहारी

जितेंद्र दुबे
बूक लिफ्टर

नदिया नरवा के तीर मा बसे मोर छोटकन गांव
बीही आमा अमरइया के रहिस जीहा छांव
अब नदिया हर नरवा बनगे अऊ नरवा बनगे नाली
काला सुनाव मैहा संगी मोर गांव के नइहे चिनहारी

गांव के सियान सुनता होके गांव ल बसाइन,
अपन पूरखा के नाम धरके आदर्ष गावं बनाइन
अबके टूरा मनल देखथव करत रथे उमन मनमानी
एक झन दरुहा टूरा गांव भर के हलाकानी
काला सुनावव मैहा संगी मोर गांव के नइहे चिनहारी

नई जानत रहेव मोर गांव के अइसन हो जाही हाल
मै समझत रहेव उमला पहुना ,उमन निकल गे दलाल
खेत के बदला खेत देहू कहिके करथे उमन बहंलाली
काला बतावव मै हा संगवारी नई हे मोर गांव के चिनहारी

ममता चतुर्वेदी
बी.एस.सी द्वितीय वर्ष
ग्राम - डुमरहा